DD
RNI No. DLHIN/25/A2321

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 13, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

शनिवार, 20 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

डॉलर की तुलना में 5 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली: कमजोर ग्लोबल संकेतों, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद मुद्रा बाजार में रुपये ने आज अपनी मजबूती बनाए रखी। मुद्रा बाजार में दबाव बढ़ने के बाद भी रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे उछल कर 88.09 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 88.14 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट के साथ 88.22 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया 20 पैसे की फिसलन के साथ 88.34 के स्तर तक भी पहुंच गया, लेकिन इसके बाद रुपये ने रिकवरी शुरू कर दी। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले रुपया निचले स्तर से 28 पैसे की रिकवरी करके 8 पैसे की मजबूती के साथ 88.06 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 5 पैसे की उछाल के साथ 88.09 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले में पांच और आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले की जांच में पांच और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव, तत्कालीन नियंत्रक परीक्षा अरति वासनिक, डिप्टी कलेक्टर सुमित ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर मिषा कोसले और जिला आबकारी अधिकारी दीपा आदिल शामिल हैं। सभी को पुलिस रिमांड के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा: राहुल

चुनाव आयोग का नाम लिए बिना कहा- 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ

राहुल गांधी ने 18 सितंबर को 'वोट चोरी' के आरोप पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन 'वोट चोरी' और 'वोट हटाने' के मामले पर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने शुक्रवार को कहा, 'चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।' राहुल ने पर वीडियो क्लिप शेयर की। कैप्शन में लिखा- सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ- ऐसे भी हुई वोट चोरी! इससे पहले उन्होंने गुरुवार को इस मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी और वोट डिलीट करा रहे हैं। आरोपों के समर्थन में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र के उन वोटरों को भी पेश किया, जिनके नाम हटाने की कोशिश की गई थी।

राहुल ने 18 सितंबर को दिल्ली में 'वोट चोरी' पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें एक व्यक्ति को भी मंच पर बुलाया गया, जिसका नाम हटाया गया।

गिरिराज ने कहा- राहुल अर्बन नक्सल बनना चाहते

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को राहुल के जेन-जी वाले बयान पर जवाब दिया। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी फ्रस्ट्रेशन में हैं, हताशा में हैं। वे कभी नरेंद्र मोदी की नकल करेंगे, कभी जेन-जी की बात करेंगे। वे अर्बन नक्सल बनना चाहते हैं। भारत में अर्बन नक्सल के रूप में रिएक्ट करते हैं।"

वोटर्स डिलीट कराने का किया दावा

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को 'वोट चोरी' पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी।

राहुल ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है। राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है।

ऑनलाइन डिलीट नहीं कर सकते वोट

कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है। राहुल ने 'कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। इसकी संख्या ज्यादा भी हो सकती है। हमें नहीं पता कि कुल कितने वोट डिलीट किए गए। इन्हें डिलीट करते समय गलती से मामला पकड़ में आ गया। उन्होंने कहा- हुआ यूं कि वहां की एक बूथ-लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया है।

राहुल गांधी की भाषा अर्बन नक्सल जैसी: सीएम देवेंद्र फडणवीस

मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि वह अर्बन नक्सल जैसी भाषा बोलते हैं। सीएम फडणवीस का आरोप है कि राहुल गांधी ने देश की जेन-जी यानी युवा पीढ़ी से लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराने की अपील की है। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांधी के सलाहकारों की सोच भी अर्बन नक्सल जैसी है। राहुल गांधी के इस बयान की पृष्ठभूमि में चुनाव आयोग पर उनका नया हमला है। गुरुवार शाम राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा था, 'देश का युवा, देश के विद्यार्थी, देश का जेन-जी संविधान की रक्षा करेगा, लोकतंत्र की रक्षा करेगा और वोट चोरी रोकेगा। मैं हमेशा उनके साथ हूं। जय हिंद!' जब पत्रकारों ने राहुल गांधी के इस पोस्ट पर सीएम फडणवीस की प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने जेन-जी को एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को गिराने की बात कही।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार फिर बढ़कर पहुंचा 700 अरब डॉलर के पार

मुंबई। विदेश मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 सितंबर को समाप्त हफ्ते में 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 702.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.04 अरब डॉलर बढ़कर 698.27 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इस अवधि में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 587.01 अरब डॉलर हो गईं। देश का स्वर्ण भंडार 2.12 अरब डॉलर बढ़कर 92.42 अरब डॉलर हो गया।

पाकिस्तान में मुझे घर जैसा लगा: सैम पित्रोदा

'मैं बांग्लादेश गया, नेपाल गया, मुझे वहां भी घर जैसा महसूस होता है, मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं विदेशी धरती पर हूं"

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने फिर विवादास्पद बयान दिया है।

एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा- 'मैं पाकिस्तान गया। मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ।' उन्होंने नेपाल से लेकर बांग्लादेश तक की तारीफ की है। कहा- 'मैं बांग्लादेश गया, नेपाल गया, मुझे वहां भी घर जैसा महसूस होता है। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं विदेशी धरती पर हूं। वे मेरे जैसे दिखते हैं, मेरे जैसे ही बात करते हैं, उन्हें हमारे गाने पसंद हैं, हम सबका खाना एक जैसा है। हमें उनके साथ शांति और सौहार्द के साथ जीना सीखना चाहिए।'

उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि अपने पड़ोसियों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी जाए। पित्रोदा ने कहा कि भारत की विदेश नीति की शुरूआत पाकिस्तान समेत पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने से होनी चाहिए।

राहुल गांधी की जेन जी से अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि मैं देश के युवाओं से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे राहुल गांधी के साथ खड़े हों। उनकी आवाज के साथ अपनी आवाज मिलाएं। राहुल गांधी ने जेन जी अपील की थी कि वे आगे आएं और देश के लोकतंत्र की रक्षा करें। पूरी खबर पढ़ें...

> भारत को पाकिस्तान समेत पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने से होनी चाहिए

भाजपा बोली- कांग्रेस पाकिस्तान की चहेती

पित्रोदा के इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व पर भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा- राहुल गांधी के चहेते और कांग्रेस के विदेश प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस' हुआ। कोई आश्चर्य नहीं कि यूपीए ने 26/11 के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का चहेता, कांग्रेस का चुना हुआ। राहुल गांधी के करीबी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा पर कर्नाटक के एक भाजपा नेता ने 150 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया है। इस पर पित्रोदा ने बुधवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा- भारत में मेरे पास कोई जमीन, घर या शेयर नहीं है।

भारत ने हर बार दुश्मनों को करारा जवाब दिया: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को 1965 की जंग के जांबाजों से मुलाकात में ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिम्मत को सलाम किया। उन्होंने कहा कि भारत ने पड़ोसियों से मिली मुश्किलों को कभी अपनी किस्मत नहीं माना, बल्कि अपनी तकदीर खुद बनाई। 1965 की जंग हो या हाल का ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने हर बार दुश्मनों को करारा जवाब दिया। उनकी शहादत ने देश की शान को बुलंद रखा। उन्होंने कहा, "1965 में आपने जो जज्बा दिखाया, वो बेमिसाल है। देश की इज्जत की खातिर आपने सब कुछ दांव पर लगा दिया। मैं पूरे देश की तरफ से आपको सलाम करता हूं।"उन्होंने कहा, "जब आज नांबियार साहब और बेदी साहब ने अपनी बातें साझा कीं, तो लगा कि किताबों में बहुत कुछ छूट गया। टैंकों में गुजारी रातें, शहीदों की यादें ये सब आप जांबाजों के दिल में जिंदा हैं।

डूसू चुनाव: अभाविप ने तीन पद जीते, उपाध्यक्ष पर एनएसयूआई की जीत

नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। इस बार भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की, जबकि नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) उपाध्यक्ष पद पर विजयी रही। घोषित नतीजों के अनुसार अध्यक्ष पद पर अभाविप के आर्यन मान ने 28,841 वोट पाकर जीत दर्ज की। एनएसयूआई की उम्मीदवार जोश्निन नंदिता चौधरी को 12,645 वोट मिले।

सचिव पद पर अभाविप के कुणाल चौधरी ने 23,779 वोट हासिल किए, जबकि एनएसयूआई के कबीर को 16,117 वोट प्राप्त हुए। संयुक्त सचिव पद पर भी अभाविप को जीत मिली, जहां दीपिका झा ने 21,825 वोट पाकर एनएसयूआई के लवकुश भड़ाना (17,380 वोट) को हराया। उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई ने जीत दर्ज की।

'मोदी सरकार विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध'

> भारत स्थानीय अधिकारियों और मृतक के परिवार के संपर्क में है

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कई अहम मुद्दों पर अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी पुलिस की गोलीबारी में मारे गए भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ की घटना पर कहा कि भारत स्थानीय अधिकारियों और मृतक के परिवार के संपर्क में है और पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। साथ ही जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय हर मुद्दे पर तुरंत और गंभीरता से कार्रवाई करता है। चाहे वह अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास हो, भारतीय मिशनों की सुरक्षा हो या विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सरकार पूरी जिम्मेदारी से कदम उठाती है। इन बयानों के जरिए भारत ने यह संदेश दिया है कि वह न केवल वैश्विक सुरक्षा सहयोग में सक्रिय है, बल्कि अपने नागरिकों और संस्थानों की सुरक्षा को लेकर भी कोई समझौता नहीं करेगा।

जापाड 2025 सैन्य अभ्यास पर बोले जायसवाल

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूस में हो रहे जापाड 2025 सैन्य अभ्यास पर कहा कि इसमें भारत समेत कई देश शामिल हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें नाटो सदस्य जैसे अमेरिका, तुर्की और हंगरी भी पर्यवेक्षक के तौर पर भाग ले रहे हैं। भारत की भागीदारी भी इसमें एक सामान्य रक्षा सहयोग का हिस्सा ही है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों को मिली खालिस्तानी धमकियों पर कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करना मेजबान देश की जिम्मेदारी है।

ऑपरेशन सिंदूर: एस-400 ऑपरेशन में हमारे लिए गेम चेंजर साबित हुआ

नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पास मौजूद लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400 ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि एस-400 के शक्तिशाली रडार और मिसाइल सिस्टम की वजह से दुश्मन के लड़ाकू विमान अपने ही इलाके में सुरक्षित नहीं रह पाए।

हमारे लिए गेम चेंजर साबित हुआ एस-400- एपी सिंह

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, 'एस-400 की रेंज दुश्मन के हथियारों की रेंज से ज्यादा थी। इसी वजह से वे हमारे हथियारों की मारक दूरी तक भी नहीं पहुंच पाए और जो विमान आगे बढ़े, उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ा। यह हमारे लिए एक गेम चेंजर साबित हुआ।' उन्होंने यह भी बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने ऐसी रणनीति अपनाई कि दुश्मन अपने ही इलाके में विमान संचालित करने से डरने लगा। इससे भारत को निर्णायक बढ़त मिली।

सीडीएस ने बताया था ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ा अहम राज

एक दिन पहले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बताया था कि 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमले को आधी रात 1 से 1:30 बजे के बीच अंजाम दिया गया।

उन्होंने कहा कि यह समय दो वजहों से चुना गया। पहली वजह यह थी कि हमारी सेना को अपनी तकनीकी और खुफिया क्षमताओं पर पूरा भरोसा था कि अंधेरे में भी हम सटीक तस्वीरें और सबूत जुटा सकते हैं।

दूसरी और सबसे अहम वजह थी निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा। इसलिए, सेना ने अंधेरे में हमला कर आतंकियों को निशाना बनाया और नागरिकों को नुकसान से बचाया।

ऑपरेशन सिंदूर से थरार्या पाकिस्तान, घुटनों पर आया

भारत ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में उसे मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी हमलों को विफल करते हुए पाकिस्तान के कई अहम एयरबेस नेस्तनाबूद करते हुए उसे घुटनों पर ला दिया था। भारत ने ये कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत की थी। जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत से संघर्षविराम की गुहार लगाई थी।

पीएम गुजरात का देंगे 34,200 करोड़ के परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज भावनगर में आयोजित होने वाले समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में शामिल होंगे

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 सितंबर को गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वे भावनगर में आयोजित होने वाले समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में शामिल होंगे और लगभग 34,200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री भावनगर में लगभग 7,870 करोड़ रुपये की समुद्री क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें मुंबई अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल, कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर नए कंटेनर टर्मिनल, पारादीप पोर्ट पर नए कंटेनर बर्थ व कार्गो सुविधाएं, कांडला स्थित दींडयाल पोर्ट पर मल्टी-पर्पज कार्गो बर्थ और ग्रीन बायो-मेथनॉल प्लांट, एन्नोर और चेन्नई पोर्ट पर तटीय सुरक्षा कार्यों सहित कई परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री गुजरात में 26,354 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय और राज्य सरकार की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें चारा पोर्ट पर एचपीएलएनजी रीगैसिफिकेशन टर्मिनल, गुजरात आईओसीएल रिफाइनरी में एक्रिलिक्स एवं ऑक्सो अल्कोहल परियोजना, 600 मेगावाट ग्रीन शू इनिशिएटिव, पीएम-कुसुम योजना के तहत 475 मेगावाट सौर फीडर, 45 मेगावाट बदेली सोलर प्रोजेक्ट तथा धोरडो गांव का संपूर्ण सौरकरण शामिल है।

साथ ही स्वास्थ्य, राजमार्ग और शहरी परिवहन से जुड़ी परियोजनाओं की भी शुरूआत होगी। प्रधानमंत्री मोदी धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर) का हवाई सर्वेक्षण करेंगे, जिसे सतत औद्योगिकीकरण, स्मार्ट अवसंरचना और वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को जाएंगी बिहार, श्री विष्णुपद मंदिर में करेंगी पूजा

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को बिहार के गया दौरे पर जाएंगी। अपने दौरे के दौरान वे प्रसिद्ध श्री विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल (20 सितंबर) बिहार के गया दौरे पर जाएंगी। अपने दौरे के दौरान वे प्रसिद्ध श्री विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। उल्लेखनीय है कि श्री विष्णुपद मंदिर गया का प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल है। माना जाता है कि यहां भगवान विष्णु के चरणचिह्न अंकित हैं। यह मंदिर फल्गु नदी के तट पर स्थित है और पितृपक्ष में पिंडदान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का प्रमुख आस्था केंद्र माना जाता है। मंदिर की वास्तुकला और धार्मिक महत्ता इसे न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए विशेष बनाती है।

यक जुबिन गर्ग का सिंगापुर में निधन, प्रधानमंत्री समेत तमाम नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली
असम के लोकप्रिय गायक और अभिनेता जुबिन गर्ग का सिंगापुर में एक स्कूबा डाइविंग दुर्घटना में निधन हो गया। 52 वर्षीय जुबिन गर्ग के अचानक चले जाने से संगीत जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ह्लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग के अचानक निधन से स्तब्ध हूं। वह संगीत जगत में अपने समृद्ध योगदान के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। उनकी प्रस्तुतियां हर वर्ग के लोगों में बेहद लोकप्रिय थीं। उनके परिजनों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देश ने एक जादुई आवाज और बहुमुखी प्रतिभा वाले कलाकार को खो दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने जुबिन गर्ग को असम की आवाज बताते हुए कहा कि उनके गीत और योगदान सदैव हर भारतीय के दिल में गूंजते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने इसे असम और पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया और कहा कि जुबिन गर्ग एक पीढ़ी की धड़कन थे।

'ये पवित्र अवशेष आने वाली पीढ़ियों को गुरु गोबिंद सिंह द्वारा दिखाए गए सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे'

ये पवित्र अवशेष आने वाली पीढ़ियों को गुरु गोबिंद सिंह द्वारा दिखाए गए साहस, धार्मिकता, न्याय और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे। पुरी ने एक्स पर जानकारी दी कि पवित्र 'जोरें साहिब' में गुरु गोबिंद सिंह के दाहिने पैर की पादुका (11 इंच ७ 3.5 इंच) और माता साहिब कौर जी के बाएं पैर की पादुका (9 इंच ७ 3 इंच) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार को इन अवशेषों की सेवा का सौभाग्य तीन सौ वर्ष पूर्व स्वयं गुरु साहिब और माता जी से मिला था। उनके पूर्वज गुरु महाराज की प्रत्यक्ष सेवा में थे और उनकी निष्ठा से प्रसन्न होकर गुरु साहिब ने इन्हें परिवार में संजोकर रखने की अनुमति दी। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है।

सिख प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से की गुरु गोबिंद सिंह की पादुकाएं 'जोरें साहिब' के संरक्षण की मांग

नई दिल्ली
केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में सिख संगत के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह और उनकी धर्मपत्नी माता साहिब कौर जी की पवित्र पादुकाएं ह्जोरें साहिबह्न के संरक्षण और उनके उपयुक्त सार्वजनिक प्रदर्शन को लेकर अपनी सिफारिशें सौंपीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल की पहल की सराहना करते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि सिख प्रतिनिधिमंडल के प्रतिष्ठित और कुशल सदस्यों का स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हुई, जिन्होंने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के अत्यंत पवित्र और अमूल्य पवित्र 'जोरे साहिब' की सुरक्षा और उचित प्रदर्शन के संबंध में अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। 'जोरे साहिब' जैसे महत्वपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से पवित्र अवशेष, हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक लोकाचार के साथ-साथ गौरवशाली सिख इतिहास का भी उतना ही हिस्सा हैं।

जीएसटी दरों में सुधार का लाभ किसानों को बताएगा कृषि मंत्रालय

नई दिल्ली
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में सुधार का लाभ किसानों को बताएगा। इस संबंध में शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस बैठक में ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रीकरण संघ (टीएमए), कृषि मशीनरी निमार्ता संघ (एएमएमए), अखिल भारतीय कम्बाइन हार्वेस्टर निमार्ता संघ (एआईसीएमए) तथा पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीटीएआई) सहित अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत और वर्चुअल माध्यम से भागीदारी की।

बैठक के बाद चौहान ने मीडिया से कहा कि कृषि यंत्रों पर भी जीएसटी की दरें जो पहले 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत थीं, अब घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई हैं। यह घटी हुई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। इसका लाभ सीधा किसान भाइयों-बहनों को मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि ट्रैक्टर 35 एचपी अब 41,000 रुपये सस्ता हो गया है। ट्रैक्टर 45 एसपी पर अब 45,000 रुपये सस्ता मिलेगा। वहीं ट्रैक्टर 50 एचपी पर 53,000 रुपये और ट्रैक्टर 75 एचपी पर 63,000 रुपये की बचत होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बागवानी व निराई-गुड़ाई करने वाले छोटे ट्रैक्टर पर भी बचत होगी। छोटे से लेकर बड़े ट्रैक्टर्स पर जीएसटी दरों में कमी के बाद कीमत कम हो गई है।

चुनाव आयोग ने 474 गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण समाप्त किया

नई दिल्ली
चुनाव आयोग ने गैर-मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों पर कार्रवाई करते हुए 474 का पंजीकरण समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही पिछले दो महीनों में आयोग 808 ऐसे दलों पर कार्रवाई कर चुका है। आयोग ने 9 अगस्त को 334 दलों की मान्यता खत्म की थी। राजनीतिक दल जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत पंजीकृत होते हैं। इससे पार्टी और उससे जुड़े लोगों को कुछ विशेषाधिकार और लाभ मिलते हैं। हालांकि लगातार छह सालों तक चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में इन पार्टियों का पंजीकरण समाप्त किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने ऐसे दलों की पहचान की और उनके खिलाफ कार्रवाई की। आयोग ने 359 अन्य राजनीति दलों की पहचान भी की है। इन्होंने चुनाव लड़ा है लेकिन पिछले तीन सालों की ऑडिट रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। साथ ही इन्होंने चुनाव खर्च रिपोर्ट भी दाखिल नहीं की है। आयोग ने 28 राज्यों में फैले इन दलों को सीईओ के माध्यम से नोटिस भेजा है।

लोकतंत्र की जीवंतता के लिए संसद में बहस जरुरी: किरेन

नई दिल्ली
केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद में व्यवधान और शोर भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि अगर संसद में बहस और व्यवधान नहीं होंगे तो और कहां होंगे जीवंत लोकतंत्र के लिए गरमागरम बहसें आवश्यक हैं, लेकिन शारीरिक अवरोध महत्त्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने में रुकावट डालते हैं और संसद की उत्पादकता घटाते हैं। रिजिजू शुक्रवार को इंटरनेशनल आंबेडकर सेंटर में फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन(एफएलओ) द्वारा आयोजित फ्यूचर फ्रंटियर्स कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में संपन्न मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकसभा की उत्पादकता 31 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही तथा कुल 15 विधेयक पारित किए गए। रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा महिला-नेतृत्व वाले विकास की दिशा में काम कर रही है, क्योंकि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज के सशक्तिकरण की कुंजी है। कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने युवाओं और महिलाओं को जिज्ञासु और नवाचारशील बने रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान का ह्स्वर्णिम समयह्न है। अपने मिशन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सामूहिक प्रयास, समावेशिता और बड़े सपने देखने की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष मिशन के दौरान उन्होंने भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए सामूहिक प्रयास और बड़े सपने देखने के महत्व को सीखा। समावेशिता और अवसर की भावना, कभी हार न मानने और अन्वेषण व नवाचार की भावना को अपनाने का महत्व, युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि वे भी अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं और अंतरिक्ष में भारत के उज्ज्वल भविष्य में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर फिक्की एफएलओ की अध्यक्ष पूनम शर्मा ने संगठन के कार्यों का विवरण देते हुए बताया कि एफएलओ ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, आजीविका संवर्द्धन, वित्तीय साक्षरता से लेकर उद्यमियों के मार्गदर्शन, स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोत्साहन तथा नीति स्तर पर लैंगिक समानता की पैरवी तक हर क्षेत्र में सक्रिय है।

रिपोर्ट में दावा- भारत में तेजी से बढ़ रहे अमीर परिवार, हर 30 मिनट में एक नया मिलेनियर्स

नई दिल्ली
भारत में अमीरों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होने का दावा मर्सिडीज बेंज हुरून इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 में किया गया है, जिससे भारत ग्लोबल वेल्थ सेंटर के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से बनी चुनौतियों के बावजूद भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एनएचआई) और मिलेनियर्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में अभी करीब 8.71 लाख ऐसे करोड़पति परिवार हैं, जिनकी नेटवर्थ एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक है। मर्सिडीज बेंज हुरून इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार मिलेनियर्स की संख्या के मामले में देश में मुंबई और दिल्ली सबसे आगे हैं। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि हर 30 मिनट में देश में एक नया परिवार मिलेनियर का दर्जा हासिल कर रहा है। पिछले 4 साल की अवधि में देश में ऐसे अमीरों की संख्या में करीब 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2025 में देश में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़ कर 8,71,700 हो गई है। इसके पहले 2024 में देश में मिलिनेयर परिवारों की कुल संख्या 7.41 लाख थी। इसी तरह 2023 में देश में ऐसे धनी परिवारों की संख्या 6.31 लाख, 2022 में 5.38 लाख और 2021 में मिलिनेयर परिवारों की कुल संख्या 4.58 लाख थी। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में मुंबई में सबसे अधिक मिलेनियर परिवार रहते हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 1.42 लाख मिलेनियर परिवार रहते हैं, जबकि पूरे महाराष्ट्र में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 1,78,600 है। मिलेनियर परिवारों की संख्या के मामले में देश में दिल्ली दूसरे स्थान पर है। दिल्ली में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 68,200 है, जबकि बेंगलुरु में 31,600 मिलेनियर्स रहते हैं। कोलकाता में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 26,600 है। चेन्नई में एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक नेटवर्थ वाले करोड़पति परिवारों की संख्या 22,800 है। पुणे में ऐसे परिवारों की संख्या 22,500 और हैदराबाद में ऐसे 19,800 परिवार हैं।

मैसूर के दशहरा समारोह में हिस्सा लेंगी बानू मुश्ताक: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने मैसूर के प्रसिद्ध दशहरा समारोह में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला सुनाया।
सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये किस तरह की याचिका है। हमारे संविधान की प्रस्तावना में क्या है। ये सरकार का कार्यक्रम है। इसमें कोई विभेद कैसे किया जा सकता है। याचिका एचएस गौरव ने दायर की थी।

याचिकाकर्ता का कहना था कि दूसरे धर्म के व्यक्ति के लिए हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेना उचित नहीं होगा, जिनमें पवित्र दीप जलाना, देवी-देवता को फल-फूल अर्पित करना और वैदिक मंत्रों का जाप करना शामिल हैं। इसके पहले कर्नाटक हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि उत्सव में किसी गैर-हिंदू व्यक्ति की भागीदारी किसी भी संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन नहीं करती है।

मणिपुर में असम राइफल्स के काफिले पर हमला, एक जवान शहीद; कई घायल

बिष्णुपुर
मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार शाम सुरक्षाबलों के एक वाहन पर हथियारबंद लोगों के एक गिरोह ने हमला कर दिया। इस हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया और कम से कम तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के नाम्बोल सबल लेईकाई इलाके में शाम करीब 6 बजे हुई। एक अधिकारी ने बताया, "बंदूकधारियों के एक समूह ने उस वाहन पर घात लगाकर हमला किया जिसमें असम राइफल्स के जवान इंफाल से बिष्णुपुर जिले की ओर जा रहे थे।
इस हमले में एक जवान की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।" एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घायलों को पुलिस और स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया है।

कांग्रेस की नीति और नीयत देशविरोधी: भाजपा

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के बयान ने एक बार फिर से सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। पित्रोदा ने इस बार केंद्र सरकार को पड़ोसी देशों के साथ बातचीत को प्राथमिकता देने की नसीहत दी। इस दौरान उन्होंने कह दिया कि वह पाकिस्तान गए हैं और उन्हें वहां घर जैसा लगता है। सैम के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की नीति और नीयत देशप्रेम नहीं, बल्कि आतंकी पाकिस्तान प्रेम है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी के खास आदमी सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा लगा। कोई हैरानी नहीं कि 26/11 के बाद भी तत्कालीन कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। सैम पाकिस्तान का पसंदीदा, कांग्रेस का चहेता है। भंडारी ने कहा कि हम सब और देश के 140 करोड़ देशवासी जानते हैं कि पहलगाम आतंकी हमला पाकिस्तान ने कराया था। इस हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने पूछा कि क्या कोई देशभक्त व्यक्ति ये कह सकता है कि आतंकी मुल्क पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है, लेकिन कांग्रेस चुप है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व ये कह रहा है और सैम पित्रोदा से कहलवा रहा है कि आतंकी मुल्क पाकिस्तान हमारे लिए घर जैसा है। ये हमारे सैनिकों का और 140 करोड़ देशवासियों के अपमान है।

अगर इनका ये कथन राष्ट्र विरोधी नहीं है, तो और क्या है कुछ दिन पहले शाहिद अफरीदी ने राहुल गांधी को अपना आदर्श माना था और उसके कुछ समय बाद ही सैम पित्रोदा पाकिस्तान का महिमामंडन करते हैं। भंडारी ने कहा कि कुछ समय पहले राहुल गांधी ने कहा था कि वो भारतीय स्टेट के खिलाफ लड़ना चाहते हैं। ये भारत की संप्रभुता और अखंडता को, भारत के वीर सैनिकों की वीरता को ये अपमानित करते हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस शासन में थी, तो आतंकी हाफिज सईद ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कांग्रेस से उसकी गुफ्तगू होती है। तो ऐसा क्यों होता है कि हर पाकिस्तानी आतंक समर्थक राहुल गांधी का महिमामंडन करता है, कांग्रेस का महिमामंडन करता है और अब सैम पित्रोदा ने कहा कि वो पाकिस्तान को अपना घर मानते हैं। इससे ये स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की नीति और नीयत देशप्रेम नहीं, बल्कि आतंकी पाकिस्तान प्रेम है। अब आतंकी यासीन मलिक ने अपने एफिडेविट में कहा है कि कांग्रेस शासन में कांग्रेस का प्रशासन उनकी और आतंकी हाफिज सईद की मीटिंग कराना चाहता था और इसमें उस वक्त का प्रधानमंत्री कार्यालय शामिल था।

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार वार्ता का तीसरा दौर पूरा, अक्टूबर में होगी अगली बैठक

नई दिल्ली
भारत-न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर तीसरे दौर की वार्ता शुक्रवार को न्यूजीलैंड के क्वीन्सटाउन में पूरी हो गई। बैठक के दौरान चर्चा से आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और संतुलित एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने की दिशा में काम करने की दोनों देशों ने साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारत और न्यूजीलैंड प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए अगले दौर की व्यक्तिगत बातचीत 13 और 14 अक्टूबर के बीच नई दिल्ली में करेंगे, जबकि अंतर-सत्रीय बैठकों के माध्यम से चर्चा जारी रहेगी। न्यूजीलैंड के क्वीन्सटाउन में 15-19 सितंबर तक हुई तीसरे दौर की वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। तीसरे दौर की बातचीत में समझौते के सभी क्षेत्रों पर रचनात्मक चर्चा हुई। इस दौरान कई अध्याय पूरे हुए और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। दोनों पक्षों ने अंतर-सत्रीय वाताओं के जरिए गति बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। इस स्तर की वाताओं का दौर इसी साल 16 मार्च को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की बैठक के दौरान शुरू किया गया था।

उपाध्यक्ष का पद एनएसयूआई के नाम, आर्यन मान ने 28,841 मत प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि जोशलीन नंदिता चौधरी को 12,645 मत मिले

डूसू चुनाव में अभाविप ने चार में से तीन पदों पर किया कब्जा

उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल झांसला ने 29,339 मत पाकर जीत दर्ज की

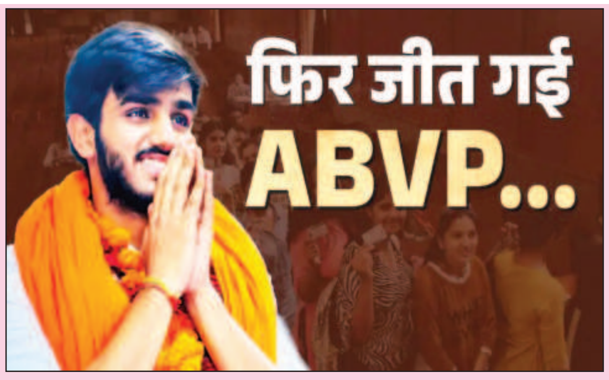

नई दिल्ली
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने चार में से तीन पदों पर जीत दर्ज की, जबकि राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने उपाध्यक्ष पद अपने नाम किया। हालांकि एनएसयूआई ने इन चुनावों में अभाविप पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर धांधली का आरोप लगाया था, जिसे अभाविप ने बेबुनियाद बताया था। नतीजों के अनुसार अध्यक्ष पद पर अभाविप के आर्यन मान ने 28,841 मत प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि जोशलीन नंदिता चौधरी को 12,645 मत मिले। उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल झांसला ने 29,339 मत पाकर जीत दर्ज की, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी गोविंद तंवर को 20,547 मत मिले। सचिव पद पर अभाविप के कुणाल चौधरी को 23,779 मत मिले, जबकि कबीर 16,117 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त सचिव पद पर अभाविप की दीपिका झा ने 21,825 मत हासिल किए, वहीं लवकुश भड़ाना को 17,380 मत प्राप्त हुए

नवनिर्वाचित अध्यक्ष आर्यन मान ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले 5 सालों का मेरा सपना पूरा हुआ। आज मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के हर छात्र का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनकी बदौलत मैं 16,000 वोटों के अंतर से जीता। हमने एनएसयूआई को फिर करारा जवाब दिया और उनके खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। कैंपस में छात्राओं के लिए कई डार्क स्पॉट हैं, हम वहां लाइटें लगवाएंगे। डूसू के नवनिर्वाचित सचिव कुणाल चौधरी ने कहा ने मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के हर छात्र को वोट देने और मुझे समर्थन देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उन्हें विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जब भी उन्हें मेरी जरूरत होगी, मैं उनके साथ खड़ा रहूंगा। डूसू के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष और एनएसयूआई नेता राहुल झांसला ने कहा कि उनकी जीत उनकी पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने इसे अपनी टीम को समर्पित करते हुए कहा कि चुनावी सफर में उनका साथ देने वाले सभी लोगों के प्रति वह आभारी हैं।

सचिव पद पर अभाविप के कुणाल चौधरी को 23,779 मत मिले

मिरांडा और रामजस कॉलेज में मशीनों में खराबी की शिकायत मिलने पर उन्हें बदला गया

मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने बताया कि इस बार अध्यक्ष पद के लिए 9, उपाध्यक्ष पद के लिए 3, सचिव पद के लिए 4 और संयुक्त सचिव पद के लिए 5 उम्मीदवार मैदान में थे। अध्यक्ष पद पर 59,882 में से 3,175 विद्यार्थियों ने नोटा चुना, जबकि उपाध्यक्ष पद पर 5,820, सचिव पद पर 7,365 और संयुक्त सचिव पद पर 7,314 वोट नोटा को मिले। उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किरोड़ीमल और हंसराज कॉलेज में ईवीएम पर स्याही लगी पायी जाने के बाद एनएसयूआई ने अभाविप पर चुनाव प्रक्रिया में धांधली करने का अरोप लगाया था। हालांकि चुनाव आयोग ने इसे छात्रों की गलती बताते हुए मशीनों को बदल दिया था। मिरांडा और रामजस कॉलेज में मशीनों में खराबी की शिकायत मिलने पर उन्हें भी बदल दिया गया था। एनएसयूआई के इन आरोपों को अभाविप ने बेबुनियाद बताया था। चुनाव आयोग ने कहा कि स्याही छात्रों की लापरवाही के कारण लगी।

भारत के भविष्य की तस्वीर युवाओं ने कैनवास पर उकेरी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को कर्तव्य पथ पर आयोजित विकसित भारत के रंग, कला के संग कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक किरेन रिजिजू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में हजारों युवाओं ने सफेद कैनवास पर भारत के भविष्य की तस्वीर उकेरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के रंग, कला के संग नाम जितना सुंदर है, उतना ही अद्भुत यह आयोजन भी है। उन्होंने कहा कि वास्तव में विकसित भारत युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे कैसा भारत और कैसा भविष्य गढ़ना चाहते हैं। इस आयोजन के माध्यम से सेवा पखवाड़ा को जन-जन तक जोड़ने का जो प्रयास हुआ है, वह अत्यंत सराहनीय और ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह देश किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि हम सभी 140 करोड़ भारतीयों का है। इसलिए इसे किस स्वरूप में गढ़ना है और भविष्य में किस दिशा में आगे बढ़ाना है, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।ह्य उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अद्वितीय नेतृत्व और अथक परिश्रम से भारत को पूरे विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई है। आज भारत एक मजबूत, आत्मविश्वासी और वैश्विक सहयोग देने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल प्रधानमंत्री का प्रयास ही पर्याप्त नहीं होगा।

ल्ली की मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने अभाविप को दी जीत की बधाई

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और राज्य सरकार के मंत्रियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की विजय पर सभी युवा साथियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट करते हुए कहा, यह जीत सिर्फ एक संगठन की नहीं, बल्कि हर उस युवा की है जो राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा और संघर्ष को अपने जीवन का मार्ग मानता है। मुझे गर्व है कि मैंने भी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में यही संस्कार जिए और सीखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का युवा ज्ञान, शील और एकता के उस विचार और संघर्ष के पथ पर अडिग है जिसे एबीवीपी ने दशकों पहले स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि यही युवा शक्ति भविष्य में दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और एक सशक्त, संस्कारित और आत्मविश्वासी राजधानी के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगी।

विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा पुस्तकालय में पीएम मोदी को समर्पित पुस्तक गैलरी का किया उद्घाटन

नई दिल्ली
दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा पुस्तकालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित अपने प्रधानमंत्री को जानें पुस्तक गैलरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और अन्य विधायक भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह एक व्यापक पहल है, जो एक छत के नीचे और एक पुस्तकालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक जीवन और उनके अद्भुत शासनकाल को दशार्ती है।

12 टीमें पूरे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव के लिए लगाई गई हैं

उन्होंने कहा कि यह गैलरी विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को एक साथ लाता है- जो या तो स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा लिखी गई हैं या उनके जीवन, शासन और विकसित भारत के उनके संकल्प पर आधारित हैं। गुप्ता ने दिल्लीवासियों से आग्रह किया कि यदि उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कोई पुस्तक है, तो उसे दिल्ली विधानसभा के पुस्तक गैलरी में जोड़ा जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि इस गैलरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन, दृष्टि और शासन को दर्शाने वाली कई महत्वपूर्ण पुस्तकें शामिल हैं। प्रमुख कृतियों में संग्रह में शामिल प्रमुख पुस्तकें हैं एक्जाम वारियर्स, इग्नाइटिंग कलेक्टिव गुडनेसझ मन की बात @100, मोदी @20, द इमरजेंसी डायरीज, 370 : डूइंग द अनजस्ट, अंबेडकर एंड मोदी, ज्योतिपुंज, कन्वीनियंट एक्शन, साक्षी भाव, लेटर्स टू मदरझनरेन्द्र मोदी, सामाजिक समरसता, पॉवर विदिन, नरेन्द्र मोदीः ए पॉलिटिकल बायोग्राफी, द मोदी इफेक्टः नरेन्द्र मोदी की अभियान यात्रा भारत को बदलने की, पीएम स्पीचेस, रिफॉर्म नेशन, प्रोटेक्टिंग अ नेशन, इंडिया की टकेड, लेटर्स टू सेल्फ इंडियन रेनैसांझ द मोदी डिकेड, और द आर्किटेक्ट ऑफ न्यू बीजेपी शामिल है। गुप्ता ने कहा कि ये पुस्तकें पूरे देश से एकत्र की गई हैं। विभिन्न भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक गैलरी समय-समय पर और पुस्तकों के साथ बढ़ता रहेगी। ह्लयह पहल न केवल प्रधानमंत्री की प्रेरक यात्रा को सम्मानित करने का एक तरीका है बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक दीर्घकालिक निवेश भी है। ये पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा उम्मीदवारों के लिए सहायक होंगी, शोधकर्ताओं और विद्वानों को भारत की विकास यात्रा और प्रधानमंत्री की पहलों की गहरी समझ प्रदान करेंगी और विधायकों को शासन और विकसित भारत के दृष्टिकोण को बेहतर समझने में मदद करेंगी।

कोर्ट ने करण को दी राहत, अपमानजनक पोस्ट, मीम्स हटाने का आदेश

नई दिल्ली
दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म निमार्ता करण जौहर के फोटो और व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया है। जस्टिस मनमीत प्रीतम अरोड़ा की बेंच ने कहा कि करण जौहर के बारे में वीडियो, मीम्स और सोशल मीडिया पोस्ट हटाए जाएं। कोर्ट ने 17 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने कहा कि करण जौहर की याचिका में जिन सोशल मीडिया अकाउंट का जिक्र किया गया है, वे अनधिकृत रुप उनके नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। कोर्ट ने इन सोशल मीडिया अकाउंट्स को डिलीट करने का आदेश दिया। इन सोशल मीडिया अकाउंट्स ने करण जौहर की छवि को नुकसान पहुंचाया है। कोर्ट ने एक वेबसाइट के नाम को निलंबित करने का भी आदेश दिया।

'सेवा पखवाड़े' में शुरू होगी डीटीसी की दिल्ली-बड़ौत अंतरराज्यीय एसी बस सेवा

दिल्ली और यूपी के बस यात्रियों और छात्रों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी

नई दिल्ली
दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) राजधानी के महाराणा प्रताप अंतरराज्यीय बस अड्डे को उत्तर प्रदेश के बड़ौत से जोड़ने वाली एक नई एसी बस सेवा शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि इस नई सेवा से दिल्ली और यूपी के बस यात्रियों और छात्रों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और बस से दैनिक यात्रा करने वाले लोगों के विकल्पों में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह नई एसी बस सेवा दिल्ली के महाराणा प्रताप आईएसबीटी से शुरू होकर खजूरी खास, भजनपुरा, लोनी बस स्टैंड, यूपी बॉर्डर, लोनी, मंडोला, खेकरा, काठा, बागपत, गौरीपुर, सरूरपुर और ट्योढ़ी से होते हुए बड़ौत तक पहुंचेगी। ठीक इसी तरह बड़ौत से दिल्ली आने वाली एसी बसें ट्योढ़ी, सरूरपुर, गौरीपुर, बागपत, काठा, खेकरा, मंडोला, लोनी, लोनी बस स्टैंड/यूपी बॉर्डर, भजनपुरा और खजूरी खास से होते हुए महाराणा प्रताप आईएसबीटी तक आएंगी। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने बताया कि दिल्लीझबड़ौत एसी बस सेवाएं रोजाना सुबह 4 बजकर 50 मिनट, 5 बजकर 20 मिनट और 5 बजकर 50 मिनट पर शुरू होकर दिल्ली से बड़ौत तक जाएंगी। तो वहीं, यूपी के बड़ौत बस डिपो से दिल्ली की तरफ सुबह 7:00 बजे, 7 बजकर 30 मिनट और 8:00 बजे बसें रवाना होंगी। खासकर शाम के समय बस कनेक्टिविटी और ज्यादा मजबूत होगी।

दिल्ली से बड़ौत की ओर शाम 5:00 बजे, 5:30 बजे और 6:00 बजे एसी बसें चलेंगी, जबकि बड़ौत से दिल्ली की तरफ 7:30 बजे, 8:00 बजे और 8:30 बजे बसें रवाना होंगी। लगभग 60 किलोमीटर लंबे इस अंतरराज्यीय बस रूट के लिए दिल्ली सरकार ने सभी वर्गों के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए बेहद ही किफायती किराया निर्धारित किया है। इन एसी बसों का न्यूनतम किराया मात्र 32 रुपए रखा गया है, जबकि पूरे रूट का अधिकतम किराया केवल 125 रुपए निर्धारित किया गया है। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने यह भी बताया कि जल्द ही कई दूसरे रूटों पर भी अंतरराज्यीय एसी बस सेवा शुरू की जाएंगी, जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को आसपास के इलाकों के साथ पड़ोसी राज्यों से जोड़ेंगी।

75 राजदूतों और उच्चायुक्तों ने अपनी मां के नाम पर लगाए पौधे

नई दिल्ली
दिल्ली में रह रहे दुनियाभर के विभिन्न देशों के 75 राजदूतों, उच्चायुक्तों ने अपनी मां के नाम पौधे लगाए। विदेशी मेहमान भारत की राजधानी में अपनी मां के नाम की ये अनोखी याद सहेजते हुए ये भावुक दिखे। पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली सरकार ने रिज क्षेत्र में ये पौधरोपण कार्यक्रम किया।

आयुर्वेद मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कल्याण के लिए एक स्थायी वैश्विक समाधान है: प्रतापराव

नई दिल्ली
केन्द्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कल्याण के लिए आयुर्वेद एक स्थायी, एकीकृत समाधान के रूप में अग्रसर है और आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शुक्रवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित प्रेसवार्ता में 10 वें आयुर्वेद दिवस कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत सरकार ने 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस के लिए निश्चित वार्षिक तिथि के रूप में अधिसूचित करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिससे इसे एक सार्वभौमिक कैलेंडर पहचान मिली है। इस वर्ष का विषय–लोगों और विश्व के लिए आयुर्वेद है। प्रतापराव जाधव ने कहा कि गोवा स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में मनाया जाने वाले कार्यक्रम में आयुर्वेद के सभी आयमों पर चर्चा की जाएगी।

उमर की जमानत याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट 22 को करेगा सुनवाई

उमर, शरजील और गुलफिशा की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी

नई दिल्ली
उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपित उमर खालिद, शरजील इमाम और गुलफिशा फातिमा की जमानत याचिकाओं पर शुक्रवार को फिर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानत याचिकाओं पर 22 सितंबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। इसके पहले भी अदालत ने 12 सितंबर को सुनवाई टालते हुए कहा था कि उन्होंने अभी फाइल पढ़ी नहीं है। सभी आरोपितों ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने 2 सितंबर को उमर खालिद और शरजील इमाम, अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अगर आरोपित देश के खिलाफ कार्रवाई करें।

दिल्ली का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान पेश, बाढ़ और जलभराव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली
केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य और पावर मंत्री मनोहर लाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सेवा पखवाड़े के दौरान शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के कन्वेंशन सेंटर में पेश किया। यह नया ड्रेनेज मास्टर प्लान राष्ट्रीय राजधानी में बार-बार होने वाली शहरी बाढ़ और जलभराव की समस्याओं को अगले 30 वर्षों तक हल करने के लिए एक ऐतिहासिक ब्लूप्रिंट है। उन्होंने इस अवसर नजफगढ, बालापुला और ट्रांस यमुना बेसिन के लिए तैयार तीन अलग-अलग मास्टर योजनाओं का संयुक्त रूप से अनावरण किया। यह योजना अगले तीन दशकों के लिए दिल्ली के ड्रेनेज ढांचे को भविष्य-सक्षम बनाने का लक्ष्य रखती है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जल संबंधी मुद्दे हमारे शहर की भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसमें पीने का पानी, वर्षा जल निकासी और सीवेज सिस्टम शामिल हैं। दिल्ली का नया ड्रेनेज मास्टर प्लान इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि हम इन महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए कटिबद्ध हैं। वर्षों की परिश्रमपूर्वक परामर्श, डेटा संग्रह और अध्ययन के बाद तैयार की गई यह व्यापक योजना दिल्ली की ड्रेनेज आवश्यकताओं के लिए रोडमैप प्रदान करेगी, जिससे जलजमाव से राहत मिलेगी और शहर को ड्रेनेज संबंधी चुनौतियों से सुरक्षित रखा जाएगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, इस योजना के तहत शहरी बाढ़ से निपटना, सतही जल भंडारण में सुधार, जल बहाव कम करना और मुख्य स्टॉर्मवॉटर चैनलों को अपग्रेड करना शामिल है, जिससे दिल्लीवासियों का जीवन स्तर सुधरेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम की अपनी प्रारंभिक समीक्षा साझा करते हुए बरापुल्ला नाला, कुशक ड्रेन, मिंटो ब्रिज और आईटीओ ब्रिज के अपने व्यक्तिगत निरीक्षण का उदाहरण दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि इस साल पहली बार मिंटो ब्रिज और आईटीओ जैसी जगहों पर गंभीर जलजमाव नहीं देखा गया, जो पहले एक आम समस्या थी।

इस साल पहली बार मिंटो ब्रिज पर गंभीर जलजमाव नहीं देखा गया

नांगलोई में ट्रेन से कटकर दो स्कूली छात्राओं की मौत

नई दिल्ली
नांगलोई नगर निगम स्कूल से घर लौट रही दो स्कूली छात्राओं की प्रेमनगर के पास ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों नांगलोई स्टेशन के नजदीक रेलवे लाइन के पास से पैदल अपने घर आ रही थीं। छात्राओं की पहचान आठ वर्षीय शाहिस्ता प्रवीण और सात साल की रौनक खातून के रूप में हुई। दोनों प्रेमनगर की रहने वाली थीं। छात्राओं की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने हंगामा किया, बाद में पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर घर भेजा। पुलिस सूत्रों की मानें तो पिछले महीने ही रेलवे ने दीवार खड़ी कर क्षेत्र के लोगों की आवाजाही बंद कर दी थी। इसके बाद से लोग वैकल्पिक मार्ग और एफओबी बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर शासन-प्रशासन ने सुरक्षित मार्ग दिया होता तो दोनों बच्चों की जान बच सकती थी। रेलवे पुलिस ने दोनों छात्राओं के शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिए हैं। लगभग छह-सात साल पहले भी दो बच्चे स्कूल से घर लौटते समय ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं।

संपादकीय

महिला निदेशक और विश्व सिनेमा का पुनर्लेखन

महिला निर्देशकों की बढ़ती उपस्थिति का विश्व सिनेमा पर गहरा और परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है, जो स्थापित मानदंडों को चुनौती देता है, कहानी कहने में विविधता लाता है, और नए दृष्टिकोणों की पेशकश करता है जो पहले कम प्रतिनिधित्व किए गए थे। यह आंदोलन केवल एक आँकड़ा बढ़ाने के बारे में नहीं है; यह उन कहानियों में एक मौलिक बदलाव के बारे में है जो उन्हें बताती हैं, जो उन्हें बताती हैं, और उन्हें वैश्विक दर्शकों द्वारा कैसे माना जाता है। विविध नैरेटिव और परिप्रेक्ष्य दशकों से, सिनेमाई परिदृश्य को बड़े पैमाने पर पुरुष टकटकी द्वारा आकार दिया गया था झ नारीवादी फिल्म सिद्धांत का एक शब्द जिस तरह से महिलाओं को अक्सर पुरुष दर्शकों की खुशी के लिए वस्तुओं के रूप में चित्रित किया जाता है। महिला निर्देशकों ने सक्रिय रूप से इसे खत्म करने के लिए काम किया है, ह्लमहिला टकटकीह्व की शुरूआत की है जो महिला विषय, अंतर और एजेंसी पर केंद्रित है। इसके कारण फिल्में बनी हैं:

गहराई और जटिलता के साथ केंद्र महिला नायकः जेन कैंपियन (द पियानो, द पावर ऑफ द डॉग), सोफिया कोपोला (लॉस्ट इन ट्रांसलेशन, द वर्जिन सुसाइड), और सेलाइन साइसम्मा (पोर्ट्रेट ऑफ ए लेडी ऑन फायर) जैसे निर्देशक शिल्प कथाएँ जहां महिलाओं को पुरुषों के साथ उनके संबंधों द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन पूर्ण, बहुआयामी चरित्र अपनी इच्छाओं, पहचान और संघर्षों की खोज कर रहे हैं।

सहानुभूति, पहचान और सामाजिक मुद्दों के विषयों का अन्वेषण करें: भारत में गौरी शिंदे (इंग्लिश विंग्लिश) और जोया अख्तर (गली बॉय) के अंतरंग नाटकों से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका में अवा डुवर्ने (13 वीं) के सामाजिक रूप से जागरूक वृत्तचित्रों तक, महिला निदेशक अक्सर अपने काम के प्रति एक अनूठी संवेदनशीलता लाते हैं, लिंग, नस्ल, वर्ग और सामाजिक न्याय के विषयों को संबोधित करते हैं।

चुनौती शैली सम्मेलनों: महिला निर्देशकों ने सभी शैलियों में काम करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, एक्शन और हॉरर से लेकर कॉमेडी और ड्रामा तक, जबकि अक्सर पारंपरिक ट्रॉप्स को कम करते हैं। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए अकादमी पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला कैथरीन बिगेलो एक प्रमुख उदाहरण है, द हर्ट लॉकर जैसी एक्शन और युद्ध फिल्मों में अपने प्रशंसित काम के साथ। स्वतंत्र और विश्व सिनेमा का उदय जबकि महिलाएं मूक युग के बाद से फिल्म निर्माण में शामिल रही हैं झ ऐलिस गाय-ब्लाचे जैसे अग्रदूतों के साथ झ उनके अवसर ऐतिहासिक रूप से पुरुष-प्रधान स्टूडियो प्रणाली में सीमित थे। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में स्वतंत्र फिल्म आंदोलनों के उदय ने महिलाओं को उन कहानियों का प्रयोग करने और बताने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया जो प्रमुख स्टूडियो द्वारा ग्रीनलिट नहीं हो सकती थीं। इस बदलाव की भूमिका फिल्म निमार्ताओं के करियर में थी:

एगनेस वर्दाः फ्रेंच न्यू वेव की एक प्रमुख आकृति, 5 से 7 मिश्रित वृत्तचित्र और कथा से क्लेओ जैसी उनकी फिल्में, एक मानवतावादी और अक्सर आत्मकथात्मक परिप्रेक्ष्य की पेशकश करती हैं जो क्रांतिकारी थीं।

चैंटल अकरमैनः अपने न्यूनतम और अत्यधिक औपचारिक दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है, अकरमैन की फिल्में, विशेष रूप से जीन डायलमैन, 23, क्वाई डु कॉमर्स, 1080 ब्रुक्सलेस, रोजमर्रा की जिंदगी और पालतू जानवरों के कट्टरपंथी पुनर्निर्माण के लिए नारीवादी सिनेमा के स्थलों को माना जाता है। आज, यह प्रवृत्ति दुनिया भर की महिला निर्देशकों की एक नई पीढ़ी के साथ जारी है जो अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त कर रही हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया से बोंग जून-हो या मेक्सिको से गिलर्मो डेल टोरो जैसे निर्देशक एक व्यापक घटना का हिस्सा हैं जहां विविध संस्कृतियों की कहानियों को वैश्विक दर्शक मिल रहे हैं, और महिलाएं उस लहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ईरान की एना लिली अमीरपोर (ए गर्ल वॉक होम अलोन एट नाइट), ट्यूनीशिया के कौथर बेन हनिया (द मैन हू सोल्ड हिज स्किन) जैसे फिल्म निमार्ता और भारत की किरण राव (लापटा लेडीज) यह साबित कर रही हैं कि सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट कहानियां सार्वभौमिक रूप से गूंज सकती हैं। चुनौतियां और निरंतर विकास प्रगति के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं। अध्ययनों से लगातार पता चलता है कि महिलाओं को अभी भी शीर्ष निर्देशन नौकरियों में कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है, विशेष रूप से उच्च बजट वाली फिल्मों पर । महिलाओं द्वारा निर्देशित फिल्मों को अक्सर उनके पुरुष-निर्देशित समकक्षों की तुलना में बजटीय और बॉक्स ऑफिस असमानताओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, बातचीत शिफ्ट हो रही है। वकालत के प्रयासों और स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों के उदय के साथ मिलकर महिला निर्देशकों की बढ़ी दृश्यता नए अवसर पैदा कर रही है। फिल्म फेस्टिवल और उद्योग पुरस्कार तेजी से महिलाओं के काम को पहचान रहे हैं और जश्न मना रहे हैं, और ग्रेटा जर्विग की बार्बी जैसी फिल्मों की सफलता ने प्रदर्शित किया है कि महिला-निर्देशित कहानियां समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक रूप से विजयी दोनों हो सकती हैं। अंत में, महिला निर्देशक सिनेमा के इतिहास में सिर्फ एक फुटनोट नहीं हैं; वे सक्रिय रूप से इसके भविष्य को फिर से लिख रहे हैं।

प्रसवोत्तर देखभाल: माँ का साथ सास से ज्यादा कारगर

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में परिवार की भूमिका जीवन के हर पड़ाव पर महत्वपूर्ण होती है। जब घर में नया जीवन जन्म लेता है, तब यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। प्रसव एक ऐसा समय है जब महिला शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद कमजोर होती है। उसे सिर्फ चिकित्सकीय सहायता ही नहीं, बल्कि गहरे स्तर पर देखभाल, सहारा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। परंपरागत रूप से यह जिम्मेदारी संयुक्त परिवारों में सास की मानी जाती थी, लेकिन बदलते दौर और सामाजिक संरचना के कारण यह भूमिका अब धीरे-धीरे माँ यानी नानी की ओर स्थानांतरित हो रही है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि प्रसव के बाद महिलाओं को अपनी सास की तुलना में अपनी माँ से कहीं अधिक देखभाल और सहयोग मिलता है।

यह तथ्य कई स्तरों पर सोचने को मजबूर करता है। एक ओर यह माँ और बेटी के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक मजबूती को दशार्ता है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि सास जैसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला इस प्रक्रिया में पीछे क्यों रह गई है। अध्ययन में पाया गया कि प्रसवोत्तर देखभाल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को उनकी अपनी माँ से सहयोग मिला, जबकि मात्र 16 प्रतिशत महिलाओं की देखभाल उनकी सास ने की। यह आँकड़ा अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।

बेटी और माँ का रिश्ता हमेशा से भरोसे और आत्मीयता पर आधारित रहा है। प्रसव के बाद महिला अपने जीवन के सबसे नाजुक दौर से गुजरती है। उसका शरीर थका हुआ और कमजोर होता है, मानसिक रूप से वह असुरक्षा और चिंता का सामना करती है। ऐसे समय में वह सबसे पहले अपनी माँ के पास सहजता से जाती है। माँ न केवल उसकी तकलीफ को तुरंत समझती है बल्कि धैर्य और प्यार से उसका मनोबल भी बढ़ाती है।

हर माँ ने मातृत्व का अनुभव किया होता है, इसलिए उसे पता होता है कि उसकी बेटी किन शारीरिक और मानसिक अवस्थाओं से गुजर रही है। यही वजह है कि बेटी अपनी असली माँ की देखभाल को सबसे भरोसेमंद मानती है।

इसके विपरीत सास-बहू का रिश्ता भारतीय समाज में अक्सर औपचारिकताओं और अपेक्षाओं से घिरा होता है। बहू अपनी सास के सामने उतनी सहजता महसूस नहीं कर पाती। कई बार पीढ़ियों का अंतर भी इस दूरी को और बढ़ा देता है। सास का सोचने का तरीका पुराने अनुभवों पर आधारित होता है, जबकि आज की पीढ़ी की महिलाएँ आधुनिक चिकित्सा और नई जानकारी पर अधिक भरोसा करती हैं।

मच्छर खून चूसते हैं- लेकिन क्या हमें बस उनसे छुटकारा पाना चाहिए

विजय गर्ग

मच्छर मलेरिया, डेंगू, जीका और पीले बुखार सहित मनुष्यों को कई प्रकार की बीमारियों को प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार हैं, जो हर साल सैकड़ों हजारों लोगों को मारते हैं। यह देखना आसान है कि हम उनसे पूरी तरह से छुटकारा क्यों चाहते हैं। हालांकि, यह मुद्दा जितना लगता है उससे कहीं अधिक जटिल है। यहां पारिस्थितिक भूमिकाओं मच्छरों के खेलने का एक टूटना है और अगर हम उन्हें खत्म करने के लिए थे तो क्या हो सकता है: मच्छर किस उद्देश्य से सेवा करते हैं? जबकि रोग वैक्टर के रूप में उनकी भूमिका निर्विवाद है, मच्छर भी पारिस्थितिकी तंत्र में एक भूमिका निभाते हैं।

परागणकर्ताः बहुत से लोगों को यह एहसास नहीं होता है कि मच्छर परागणकर्ता हैं। उनका प्राथमिक खाद्य स्त्रोत रक्त नहीं है, बल्कि अमृत और अन्य पौधों के रस को फूल देता है। जैसा कि वे खिलाते हैं, वे पराग को फूल से फूल में स्थानांतरित करते हैं, विभिन्न पौधों को पुनः पेश करने में मदद करते हैं। कुंद पत्ती आर्किड की तरह कुछ विशिष्ट पौधे भी मुख्य रूप से मच्छरों द्वारा परागण किए जाते हैं।

खाद्य स्त्रोतः मच्छर, अपने लार्वा और वयस्क दोनों चरणों में, विभिन्न प्रकार के अन्य जानवरों के लिए एक महत्वपूर्ण खाद्य स्त्रोत हैं। मच्छर लार्वा मछली, कछुए, उभयचर और अन्य जलीय कीड़ों द्वारा खाया जाता है। वयस्क मच्छर पक्षियों (हमिंगबर्ड सहित), चमगादड़, मेंढक, छिपकली, ड्रैगनफ्लियों और मकड़ियों के शिकार होते हैं। कुछ पारिस्थितिक तंत्रों में, विशेष रूप से आर्कटिक टुंड्रा में, वे बायोमास का एक विशाल हिस्सा बनाते हैं और प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण खाद्य स्त्रोत हैं।

पोषक साइकिल चलानाः मच्छर लार्वा स्थिर पानी में रहते हैं और सड़ते हुए कार्बनिक पदार्थों का सेवन करते हैं, जिससे जटिल यौगिकों को तोड़ने और जलीय वातावरण में पोषक तत्वों को रीसायकल करने में मदद मिलती है। अगर हम उनसे छुटकारा पा लें तो क्या होगा? वैज्ञानिकों ने इस सवाल पर बहस की है, और आम सहमति यह है कि मच्छरों के बड़े पैमाने पर विलुप्त होने से पारिस्थितिक पतन नहीं होगा। हालांकि, यह परिणाम के बिना नहीं होगा।

खाद्य वेब के लिए व्यवधानः जबकि कोई भी जानवर विशेष रूप से मच्छरों पर खिलाने के लिए नहीं जाना जाता है, उनके अचानक गायब होने से खाद्य श्रृंखला में एक अस्थायी अंतर पैदा होगा। शिकारियों जो एक प्रमुख खाद्य स्त्रोत के रूप में उन पर भरोसा करते हैं, उन्हें अपने आहार को अनुकूलित करना होगा, और मच्छरों की तरह कुछ विशेष शिकारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसका एक लहर प्रभाव हो सकता है, जिससे मच्छरों पर फीड करने वाले जानवरों की आबादी में कमी हो सकती है।

परागणकों का नुकसानः जबकि अन्य परागणकर्ता मच्छरों द्वारा छोड़े गए शून्य को भरेंगे, कुछ पौधे जो परागण के लिए उन पर भरोसा करते हैं वे संघर्ष कर सकते हैं या विलुप्त हो सकते हैं।

एक ह्लगन्दाह्व विलुप्त होनेः मच्छरों की 3,500 से अधिक प्रजातियां हैं, और उनमें से केवल एक अंश (लगभग 200 प्रजातियां) मनुष्यों को काटती हैं।

एक वैश्विक उन्मूलन प्रयास अविश्वसनीय रूप से कठिन होगा और संभवतः कई प्रजातियों को मिटा देगा जो मनुष्यों के लिए कोई खतरा नहीं है और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिकाएं हैं। एक अधिक लक्षित दृष्टिकोण ह्लउन सभी को मार डालोह्व दृष्टिकोण आम तौर पर पारिस्थितिक रूप से जोखिम भरा और व्यावहारिक रूप से असंभव दोनों माना जाता है। कई वैज्ञानिकों के अनुसार, बेहतर रणनीति यह है कि मच्छरों की विशिष्ट प्रजातियों को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो मनुष्यों को बीमारियों का संचार करते हैं। शोधकर्ता इन खतरनाक प्रजातियों से निपटने के लिए अभिनव और अधिक लक्षित तरीकों पर काम कर रहे हैं, जैसे:

जीन संपादनः मच्छरों को संशोधित करना ताकि वे बीमारियों को प्रसारित करने में असमर्थ हों या बाँझ हों।

बाँझ कीट तकनीकः आबादी को कम करने के लिए बाँझ पुरुष मच्छरों को जारी करना।

जैविक नियंत्रणः मछली जैसे प्राकृतिक शिकारियों का उपयोग करना जो मच्छर लार्वा या वोल्बाचिया जैसे बैक्टीरिया खाते हैं जो मच्छरों को निष्फल कर सकते हैं।

अंत में, जबकि मच्छरों के बिना एक दुनिया का विचार मानव स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अपील कर रहा है, एक पूर्ण उन्मूलन पर्यावरण के लिए अप्रत्याशित और संभावित नकारात्मक परिणाम हो सकता है। रोग ले जाने वाली प्रजातियों पर केंद्रित एक अधिक बारीक और लक्षित दृष्टिकोण आगे का सबसे विवेकपूर्ण तरीका लगता है।

सनातन पर साजिश, सोशल मीडिया के जाल में हिंदू परिवार

संजय सक्सेना

राहुल एक साधारण सा युवक था, दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार से। सुबह उठते ही वह अपने फोन को हाथ में लेता, और सोशल मीडिया की दुनिया में खो जाता। इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स, टिकटॉक ये प्लेटफॉर्म उसके लिए दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से कुछ अजीब सा हो रहा था। उसके फीड में छोटे-छोटे वीडियो आते, जिनमें हिंदू परिवारों के घरों में झगड़े दिखाए जाते। एक वीडियो में एक मां अपने बेटे से चिल्ला रही थी, तुम्हारा ये सनातन धर्म क्या बिगाड़ लाया है? रोज मंदिर जाना, पूजा-पाठ, बस झगड़े ही झगड़े! दूसरे में पिता और पुत्र के बीच बहस, जहां पिता कहते, ये पुरानी रस्में अब बोझ बन गई हैं, छोड़ दो इन्हें! ये वीडियो इतने रीयल लगते कि राहुल का दिल बैठ जाता। क्या सच में सनातन धर्म हिंदू घरों को तोड़ रहा था?राहुल ने सोचा, शायद ये संयोग है। लेकिन जैसे-जैसे वीडियो बढ़ते गए, उसे शक होने लगा। एक दिन, उसके चचेरे भाई अजय ने फोन किया। भाई, देखा वो वीडियो? हमारी तरह के परिवार में ही तो हो रहा है। मेरा दोस्त का घर टूट गया, वजह धर्म की रस्में!ह्व राहुल ने वीडियो चेक किया। ये सब एक जैसे थे: 15-30 सेकंड के क्लिप्स, ड्रामेटिक म्यूजिक के साथ, कैप्शन में लिखा ह्लसनातन का काला सच परिवार बर्बाद! ये वीडियो वायरल हो रहे थे, लाखों व्यूज, हजारों शेयर्स। राहुल ने गूगल किया, तो पता चला कि ये ट्रेंड पूरे भारत में फैल रहा है। दक्षिण भारत से उत्तर तक, हर जगह हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा था।

राहुल एक आईटी इंजीनियर था, कोडिंग और डेटा एनालिसिस उसका शौक। उसने फैसला किया, खुद जांच करेगा। सबसे पहले, उसने वीडियोज के मेटाडेटा चेक किया। कई वीडियो एक ही आईपी एड्रेस से अपलोड हो रहे थे, जो विदेशी सर्वर से जुड़े थे। एक वीडियो का बैकग्राउंड चेक किया, तो पाया कि वो स्टॉक फुटेज था अमेरिका के किसी स्टूडियो से लिया गया, लेकिन एडिट करके भारतीय घर जैसा दिखाया गया। आवाजें डब की गई, हिंदी में, लेकिन एक्सेंट गलत। राहुल का शक पक्का हो गया। ये छोटे-छोटे वीडियो कोई संयोग नहीं, एक सुनियोजित कैंपेन थे। अब सवाल था, इससे सनातन को कितना नुकसान हो रहा है? राहुल ने अपने दोस्तों से बात की। एक दोस्त ने बताया, ह्लमेरा कजिन धर्म छोड़ने की सोच रहा है। कहता है, ये वीडियो देखकर लगता है सनातन ही परिवारों का दुश्मन है। राहुल ने सोशल मीडिया एनालिटिक्स टूल्स का इस्तेमाल किया। आंकड़े चौंकाने वाले थे। इन वीडियोज ने 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज जेनरेट किए थे। कमेंट्स में लोग लिख रहे थे हिंदू बनना बंद करो, ये बोझ है! युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही थी। सनातन धर्म, जो सदियों से एकता, शांति और परिवार की नींव पर टिका है, अब सोशल मीडिया पर बदनाम हो रहा था। मंदिरों में आने वाले लोग कम हो रहे थे। परिवारों में बहसें बढ़ रही थीं बुजुर्ग कहते, ह्लपूजा करोह्व तो युवा जवाब देते, ये झगड़े ही तो पैदा करता है! आध्यात्मिक विश्वास कमजोर पड़ रहा था। सनातन की मूल भावना ह्लवसुधैव कुटुंबकमह्व पर चोट पहुंच रही थी। ये वीडियो न सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर तोड़ रहे थे, बल्कि समुदाय को बांट रहे थे। हिंदू एकता कमजोर हो रही थी, जो किसी भी बाहरी साजिश के लिए खतरा बन सकती थी।

राहुल ने गहराई से खोजा। एक रात, वह डार्क वेब पर पहुंचा वहां एक फोरम मिला, जहां ह्लऑपरेशन डिवाइडह्व नाम का ग्रुप सक्रिय था। ये ग्रुप विदेशी फंडिंग से चल रहा था। सूत्रधार कौन? राहुल को पता चला, ये एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क था इसमें कुछ कट्टरपंथी संगठन शामिल थे, जो भारत को कमजोर करना चाहते थे। मुख्य मास्टरमाइंड एक पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट था, नाम फखर अहमद, जो दुबई से ऑपरेट कर रहा था। उसके साथ कुछ भारतीय ह्लफ्रीलांसरह्व थे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जो पैसे के लालच में काम कर रहे थे। ये लोग एआई टूल्स का इस्तेमाल करके वीडियो जनरेट करते। एक स्क्रिप्ट लिखी जाती हिंदू परिवार में सनातन रस्मों पर झगड़ा।

फिर डीपफेक टेक्नोलॉजी से चेहरे बदले जाते, भारतीय कपड़े पहनाए जाते। आवाजें वॉयस सिंथेसाइजर से हिंदी में डब की जातीं। ये वीडियो बॉट्स के जरिए वायरल किए जाते फेक अकाउंट्स से लाइक्स, शेयर्स। फंडिंग आती थी विदेशी एनजीओ से, जो ह्लसेकुलरिज्मह्व के नाम पर काम करते, लेकिन असल में धार्मिक विभाजन फैलाते।

राहुल ने एक उदाहरण ढूंढा। एक वीडियो में दिखाया गया था, एक ब्राह्मण परिवार में लड़ाई। लेकिन जांच पर पता चला, वो परिवार असली नहीं, बल्कि लॉस एंजिल्स के किसी एक्टर का था। स्क्रिप्ट लिखी गई थी एक भारतीय नाम के फ्रीलांसर ने, जो मुंबई में रहता था लेकिन पैसे के लिए बिक गया। ये साजिश का हिस्सा था सनातन को ह्लअंधविश्वासह्व दिखाकर युवाओं को अलग करना। नुकसान गहरा था सनातन की छवि ह्लप्रगतिशील न होनेह्व वाली बन रही थी। महिलाएं कह रही थीं, ये धर्म हमें दबाता है, जबकि पुरुष ह्लये पुरानी परंपराएं बोझ हैं। समुदाय में अविश्वास बढ़ा

। मंदिर दान कम हुआ, योग और ध्यान जैसे सनातन के वैज्ञानिक पहलू भुलाए गए। कुल मिलाकर, ये एक सांस्कृतिक हमला था, जो पीढ़ियों को प्रभावित कर सकता था।

राहुल ने फैसला किया, चुप नहीं बैठेगा। उसने अपने दोस्तों एक पत्रकार प्रिया और एक साइबर एक्सपर्ट विक्रम को शामिल किया। टीम बनी। प्रिया ने स्टोरी ब्रेक करने की तैयारी की। विक्रम ने ट्रेसिंग की। एक हफ्ते में, उन्होंने फखर अहमद के सर्वर को हैक कर लिया वहां साबित हो गया, 500 से ज्यादा वीडियो इसी कैंपेन का हिस्सा थे। भारतीय फ्रीलांसरों के नाम भी मिले एक था राजेश शर्मा, जो खुद हिंदू था लेकिन कर्ज चुकाने के लिए बिक गया। दूसरा था नेहा खान, जो मिश्रित बैकग्राउंड से थी और बदले की भावना से काम कर रही। क्लाइमेक्स वह रात था जब राहुल दुबई के एक होटल में घुसा विक्रम की मदद से। फखर अहमद मीटिंग कर रहा था। राहुल ने छिपकर रिकॉर्डिंग की। फखर बोला, ये हिंदू एकता तोड़ दो, तो भारत कमजोर हो जाएगा। सनातन को बदनाम करो, परिवारों को बांटो। राहुल ने वीडियो लीक कर दिया। प्रिया ने न्यूज चैनल पर ब्रेकिंग न्यूज चलाई। सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। लोग जागे। #रं५ीरंल्लं३ल्ल ट्रेंड करने लगा। असली हिंदू परिवारों ने काउंटर वीडियो बनाए जहां दिखाया, सनातन कैसे एकता सिखाता है।

कहानी का अंत सकारात्मक था। राहुल का परिवार एकत्र हुआ। पिता ने कहा, बेटा, सनातन मजबूत है, ये साजिशें इसे नहीं तोड़ सकतीं। नुकसान हुआ था, लेकिन जागृति भी आई। सूत्रधार पकड़े गए फखर को अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने गिरफ्तार किया। भारतीय फ्रीलांसरों पर मुकदमा चला। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने ऐसे वीडियोज बैन किए। राहुल समझ गया, सनातन का असली हथियार जागरूकता है। छोटे-छोटे वीडियो नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन सच्चाई हमेशा जीतती है। सनातन के खिलाफ साजिश का सबसे बड़ा सबूत यही है कि इस तरह की ह्यरीलह्ण में किसी और धर्म के लोगों, उनके परिवार, उनकी पूजा-पद्धति, धर्मगुरुओं और उनके आराध्य के खिलाफ कोई बोलने की हिम्मत नहीं करता है। इसीलिए ह्यधरती चपटी है और सूरज पश्चिम से निकलता हैह्ण कहने वाली कौम पर कोई नहीं बोलता, क्योंकि सर तन से जुदा होने लगता है।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है।उखक बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों ।

पहला वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। याचिका में कहा गया था कि गैर-मुसलमान बहुमत बनाकर मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (22 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी। दूसरा राज्य बोर्ड में सेक्शन 23 (उएड की नियुक्ति) को बरकरार रखते हुए कोर्ट ने कहा कि जहां तक संभव हो, उएड (जो बोर्ड का पदेन सचिव भी होता है) मुस्लिम समुदाय से ही नियुक्त किया जाए। याचिका में कहा गया था कि वक्फ बोर्ड के सीईओ का मुस्लिम होना अब अनिवार्य नहीं, जो गलत है।सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के सेक्शन 3(१) के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि कोई व्यक्ति वक्फ बनाने के लिए कम से कम 5 साल से मुसलमान होना चाहिए। याचिका में कहा गया था कि नए कानून के मुताबिक वक्फ में संपत्ति देने के लिए 5 साल इस्लाम पालन की शर्त भेदभावपूर्ण है।

अदालत ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बनातीं कि कोई व्यक्ति वास्तव में मुसलमान है या नहीं, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं हो सकता, क्योंकि बिना नियम के यह मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है।

गौरतलब है कि सरकार को एक नए कानून की जरूरत महसूस हुई और इसका मकसद इसलिए था क्योंकि पिछली सरकारों ने वक्फ के नाम पर इस्लाम को अनावश्यक जमीन दे दी थी। वक्फ बिल पर बीजेपी के रुख को रोकना होगा। अप्रैल में जब अमेरिका के साथ आयात शुल्क विवाद खत्म होने वाला था तो केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल पेश किया, जिसके जरिए सरकार वक्फ का नाम बदलना चाहती है। नए कानून का प्रस्तावित नाम ह्यउम्मीदह्ण (एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) था , लेकिन देश के मौजूदा कानून देश के लोगों पर लागू होते हैं, चाहे वह मंदिर हो या वक्फ या कोई अन्य संस्था।ऐसा एक भी उदाहरण नहीं है। वक्फ की जमीन पर भी कई बार मुकदमा चला है और कई उच्च न्यायालयों ने वक्फ के खिलाफ फैसला सुनाया है। दुर्लभ अवसरों पर, वक्फ बोर्ड को भंग किया जा सकता है और प्रशासक को सौंपा जा सकता है। फिर भी, सरकार ने वक्फ भूमि को विनियमित करने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे सफल नहीं होने दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे दो महत्वपूर्ण बदलावों को खारिज कर दिया और साथ ही वक्फ रिकॉर्ड पर संबंधित लोगों के विरोध को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने केंद्र की दो दलीलों को खारिज कर दिया कि वक्फ बोर्ड के नियमन में गैर-मुस्लिम शामिल थे और संबंधित व्यक्ति ने कम से कम पांच साल तक इस्लाम का पालन किया था। इनमें से पहले में, सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सीमाएं निर्धारित की हैं। ह्यवक्फह्ण का अर्थ है कि मुसलमान अपनी संपत्ति अल्लाह को धर्म/सामाजिक कार्यों के लिए अर्पित करते हैं। एक बोर्ड है जो उस धन का प्रबंधन करता है और एक सरकारी अधिकारी भी होता है। अब तक, वक्फ बोर्डों के कई निर्णयों पर सरकारी एजेंसियों या न्यायालयों द्वारा रोक लगाई गई है/उनमें परिवर्तन किया गया है। वक्फ बोर्ड भी कई बार भंग हो चुके हैं। हालांकि, नवीनतम कानून ने इन वक्फ बोर्डों पर गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति का प्रावधान किया है। इसके पीछे के उद्देश्यों पर टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है; यह इतना स्पष्ट था कि इसे सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

सके बाद; अगर वक्फ बोर्ड केंद्रीय स्तर पर है तो वक्फ बोर्ड के 22 सदस्यों में से सिर्फ चार ही गैर-मुस्लिम होंगे और राज्य वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में से केवल तीन ही गैर-मुस्लिम हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब है कि वक्फ में गैर-मुस्लिमों का बहुमत नहीं हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई यह सीमा उचित है क्योंकि जिस तरह हिंदुओं के लिए बालाजी या केदारनाथ या तिरुपति के किसी अन्य हिंदू मंदिर के प्रबंधन में अन्य धर्मों को अधिकार देना स्वीकार्य नहीं होगा, उसी तरह इस्लाम वक्फ के बारे में भी ऐसा ही महसूस करेगा। इस सवाल का जवाब नहीं दिया गया कि क्या उनके संस्थानों में वही शक्ति दी जाएगी, नए बिल में जवाब नहीं दिया गया और केवल इस्लाम पर जोर दिया गया, इसलिए यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को इस अधिकार से वंचित कर दिया। दरअसल, वर्तमान व्यवस्था में भी वक्फ बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। वर्तमान में, वक्फ बोर्ड को उप सचिव रैंक के एक अधिकारी द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिसे संयुक्त सचिव के पद के अधिकारी को स्थानांतरित किया जाएगा। ऐसी चमत्कारी शर्त सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम में संशोधन द्वारा लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे खारिज कर दिया। यह करना सही काम है। क्योंकि यह कौन तय करेगा कि संबंधित व्यक्ति ने पांच साल तक धर्म का पालन किया है या क्या? विधि क्या है? मानदंड क्या हैं?

दक्षिण लेबनान में इजराइल ने हिज्बुल्लाह ठिकानों पर किए हवाई हमले

एजेंसी
बेरूत। इजराइल ने दक्षिण लेबनान में हिज्बुल्लाह के सैन्य ठिकानों पर ताजा हवाई हमले किए। इजराइल का कहना है कि ये हमले संगठन को सीमा क्षेत्र में दोबारा खड़ा होने से रोकने के लिए किए गए।इजराइली सेना ने पुष्टि की कि कार्रवाइयां जारी हैं और पांच गांवों के निवासियों को खाली करने की चेतावनी दी गई है। सेना ने कहा कि यह कार्रवाई हिज्बुल्लाह की गैरकानूनी कोशिशों के जवाब में की जा रही है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार हमलों में भौतिक नुकसान हुआ है। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ा है जब अमेरिका की मध्यस्थता से पिछले नवंबर में लेबनान और इजराइल के बीच संघर्ष विराम हुआ था। गाजा युद्ध से शुरू हुई इस लड़ाई के बाद से इजराइल बीच-बीच में हिज्बुल्लाह ठिकानों को निशाना बनाता रहा है। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा है कि इजराइल की ओर से निकासी की चेतावनी अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों के खिलाफ है। उन्होंने दोहराया कि लेबनानी सरकार संघर्ष रोकने और 2006 के युद्ध को खत्म करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेबनानी सेना ने भी चेतावनी दी कि इजराइल के लगातार हमले और उल्लंघन उसके दक्षिण में तैनाती को प्रभावित कर सकते हैं और हिज्बुल्लाह को लिटानी नदी के दक्षिण से हटाने की योजना में बाधा डाल सकते हैं।

प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के 10 दिन बाद ओली हुए सार्वजनिक

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली 10 दिनों के बाद सार्वजनिक रूप से फिर से दिखाई दिए हैं। आज उन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से शिवपुरी सैन्य बैरक से भक्तपुर लाया गया जहां उनके लिए एक घर किराए पर लेकर रखा गया है। 8 और 9 सितंबर के जेन जी विरोध प्रदर्शनों के बाद, ओली सेना के हेलीकॉप्टर से प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास से रवाना हुए थे। ओली को शिवपुरी के सैन्य बैरक में सुरक्षित रखा गया था। प्रदर्शनकारियों ने उनके काठमांडू स्थित निजी घर में आगजनी कर दी थी, जिसके कारण उनके लिए दूसरा किराए का घर ढूंढ़ा गया। वहीं पास में उन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया। यू. एम. एल. के उप महासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने बताया कि ओली के लिए भक्तपुर के गुंडू में अस्थायी प्रवास की व्यवस्था की गई है। ओली के वहां पहुंचने पर यू. एम. एल. नेताओं और समर्थकों ने स्वागत किया। उनके निवास की व्यवस्था यूएमएल पोलित ब्यूरो के सदस्य महेश बस्नेत के घर के पास की गई है। उनके गुंडू से सक्रिय रूप से काम करने की उम्मीद है और शुक्रवार को च्यासल में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संविधान दिवस कार्यक्रम में उनके उपस्थित होने की संभावना है।

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से फेड गवर्नर लिसा कुक को हटाने का आदेश मांगा

वॉशिंगटन।डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से फेडरल रिजर्व की बोर्ड गवर्नर लिसा कुक को हटाने के लिए आपातकालीन आदेश की मांग की। यह कदम अपील अदालत द्वारा कुक को हटाने से इनकार करने के बाद उठाया गया है।ट्रंप की यह कोशिश फेड के सात सदस्यीय बोर्ड को नया आकार देने और उसकी स्वतंत्रता पर चोट करने का प्रयास मानी जा रही है। 112 साल के इतिहास में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने कभी भी मौजूदा फेड गवर्नर को नहीं हटाया है। कुक, जिन्हें राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था, ने साफ कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और ट्रंप के दबाव में नहीं आएंगी। उनके वकील एबी लोवेल ने भी कहा कि कुक अपनी सीनेट-स्वीकृत संवैधानिक जिम्मेदारियों को निभाती रहेंगी। ट्रंप ने 25 अगस्त को कुक को बर्खास्त करने का आदेश दिया था, लेकिन एक संघीय जज ने इस फैसले को अवैध बताते हुए उन्हें फिर से पद पर बहाल कर दिया। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि कुक ने 2021 में दो अलग-अलग संपत्तियों को प्राइमरी रेसिडेंस बताकर मॉर्गेज फ्रॉड किया। हालांकि दस्तावेज़ों से पता चलता है कि कुक ने एक संपत्ति को वेकेशन होम और सेकेंड होम के रूप में ही दर्ज कराया था।

रूसी परमाणु पनडुब्बियों ने ओखोटस्क सागर में किया मिसाइल परीक्षण

व्लादीवोस्तोक। रूस के प्रशांत फ्लीट की दो परमाणु पनडुब्बियों ने ओखोटस्क सागर में नौसैनिक अभ्यास के दौरान सफलतापूर्वक क्रूज मिसाइल दागी। प्रशांत फ्लीट ने इसकी जानकारी दी। फ्लीट ने अपने बयान में कहा कि बहुउद्देशीय सबमरीन क्रास्नोयार्स्क और ओम्स्क ने अपने 250 किलोमीटर दूर समुद्री लक्ष्य पर ओनिक्स तथा ग्रेनाइट नाम की क्रूज मिसाइलें दागीं। तकनीकी निगरानी आधारित डाटा के मुताबिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। परीक्षण के दौरान लक्ष्य क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए प्रशांत सागर बेड़े के जहाजों और नौसेना विमानन इकाइयों को तैनात किया गया था। यह मिसाइल फायरिंग, 12 सितम्बर से रूस के उत्तर-पूर्व में संयुक्त सेना कमान द्वारा आयोजित कमांड-एण्ड-स्टाफ अभ्यास का हिस्सा थी। इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तरी प्रशांत महासागर में समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ कामचटका और चुकोटका क्षेत्रों तथा निकटवर्ती द्वीप क्षेत्रों की तटों की सुरक्षा था। फ्लीट ने बताया कि यह अभ्यास रूस की नौसेना ट्रेनिंग योजना के तहत आयोजित किया गया था और यह गर्मियों के दौरान युद्ध प्रशिक्षण के अंतिम चरण के रूप में भी कार्य करता है।

अमेरिका को सताने लगा मंदी का डर, भारत के साथ व्यापार वार्ता में बनेगी 10-15 प्रतिशत टैरिफ पर बात

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता शुरू हो चुकी है। इस बीच देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल ही में कहा कि अमेरिका जल्दी ही भारत पर टैरिफ को घटाकर 10-15 प्रतिशत के बीच कर सकता है, जो कि फिलहाल 50 प्रतिशत है। टैरिफ कम करने के लिए अमेरिका का भारत के साथ बातचीत के टेबल पर आना संयोग नहीं, बल्कि यह हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत और मजबूत स्थिति का परिणाम है और अमेरिका को मंदी का डर भी सता रहा है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के मुताबिक, भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि इसी दौरान वैश्विक विकास दर क्रमशः 3 प्रतिशत और 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस विकास दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। भारत ऐसे समय पर तेजी से विकास कर रहा है, जब दुनिया टैरिफ और अनिश्चितता से जूझ रही है। रेटिंग एजेंसी फिच के मुताबिक, 2025 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था की विकास दर कम होकर 1.6 प्रतिशत रह सकती है, जो कि 2024 में 2.8 प्रतिशत थी। एक तरफ भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है। दूसरी तरफ दुनिया के लिए एक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में भी तेजी से विकसित हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत वैश्विक स्तर पर चीन के एक मजबूत विकल्प के रूप में सामने आया है, जहां दुनियाभर के कई दिग्गज कारोबारी समूहों ने भी निवेश किया है। यहां तक कि टेस्ला से लेकर एप्पल और सेमीकंडक्टर से जुड़ी दिग्गज कंपनियों ने भी भारत का रुख किया है। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां चीन से अपना उत्पादन हटाकर भारत में प्लांट लगा रही हैं।

भारत में निवेश करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल है, जिसने वित्त वर्ष 25 में 22 अरब डॉलर से अधिक के आईफोन की असेंबलिंग भारत में की है, जो कि इससे पहले के साल से 60 प्रतिशत अधिक है। भारत में भी आईफोन की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। आईफोन 17 सीरीज की बिक्री देश में शुरू हो गई है।

नेपाल में जेन-जी आंदोलन से भारी नुकसान, 21 अरब नेपाली रुपए का रिकॉर्ड बीमा क्लेम

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में हाल ही में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान संपत्ति को भारी नुकसान हुआ। इसकी वजह से नेपाल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बीमा क्लेम दर्ज किया गया है। इन दावों की कुल राशि लगभग 21 अरब नेपाली रुपए तक पहुंच गई है। नेपाल इंश्योरेंस अथॉरिटी (जो बीमा क्षेत्र का नियामक है) की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नॉन-लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को 16 सितंबर तक बीमाधारक व्यक्तियों से 1,984 क्लेम प्राप्त हुए हैं, जिनकी कुल राशि 20.7 अरब नेपाली रुपए है। बताया जाता है कि नुकसान का आकलन जारी है, इसलिए क्लेम और बढ़ने की उम्मीद है। अब तक इंश्योरेंस कंपनियों को जो क्लेम मिले हैं, वे 2015 के भूकंप के दौरान मिले क्लेम से ज्यादा हैं, जब क्लेम 16.5 बिलियन एनपीआर तक पहुंच गए थे। नियामक के अनुसार, नेपाल ने 2020 में कोविड-19 के खतरे को कवर करने के लिए एक इंश्योरेंस स्कीम भी शुरू की थी और इंश्योरेंस कंपनियों को 16 अरब एनपीआर से ज्यादा के क्लेम मिले थे। भारतीय ओरिएंटल इंश्योरेंस की शाखा, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 16 सितंबर तक सबसे अधिक क्लेम राशि मिली है। यह जानकारी संबंधित प्राधिकरण से जारी आंकड़ों से मिली है। इस कंपनी को अकेले 40 मामलों में 5.14 अरब नेपाली रुपए के दावे मिले हैं। बताया जाता है कि इनमें से ज्यादातर दावे होटल हिल्टन काठमांडू से आए हैं, जिसे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था।दावों की सबसे अधिक राशि प्राप्त करने के मामले में सिद्धार्थ प्रीमियर इंश्योरेंस, शिखर इंश्योरेंस, आईजीआई प्रूडेंशियल इंश्योरेंस और सागरमाथा लुम्बिनी भी शीर्ष पांच कंपनियों में शामिल हैं।

रूस के कामचटका तट पर आया 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

एजेंसी
मॉस्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। रूस की स्टेट जियोफिजिकल सर्वे ने इसकी जानकारी दी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रूस एकेडमी ऑफ साइंसेज के जियोफिजिकल सर्वे की कामचटका शाखा ने बताया कि भूकंप का केंद्र क्षेत्रीय राजधानी पेत्रोपावलोवस्क-कामचत्स्की से लगभग 149 किलोमीटर दूर था। यह भूकंप शाम 6:58 बजे आया और इसकी गहराई 39 किलोमीटर थी। प्रारंभिक रिपोर्टों में किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने टेलीग्राम पर पोस्ट कर बताया कि प्रायद्वीप के पूर्वी तट के लिए सुनामी चेतावनी जारी कर दी गई है और स्थानीय निवासियों को सूचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। भूकंप के तुरंत बाद अधिकारियों ने सामाजिक सुविधाओं और आवासीय भवनों का निरीक्षण शुरू कर दिया है।

एक अपडेटेड पोस्ट में सोलोदोव ने कहा कि हाइड्रोमेट्रोलॉजिकल अधिकारियों के अनुमान के अनुसार, तटीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 1.5 मीटर तक ऊंची लहरें आ सकती हैं, जबकि घनी आबादी वाले पेत्रोपावलोवस्क क्षेत्र में लहरों की ऊंचाई 0.1 मीटर से कम रहने का अनुमान है। स्थानीय जियोफिजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप के बाद कई आफ्टरशॉक दर्ज किए गए, जिनमें से कम से कम 10 झटकों की तीव्रता 5 या उससे अधिक थी। दूरस्थ कामचटका क्षेत्र पिछले दो महीनों में कई शक्तिशाली भूकंप का शिकार हो चुका है, जिनमें 8.8 तीव्रता का एक भूकंप और 7.4 तीव्रता के दो भूकंप शामिल हैं।

संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के मूल्यांकन का एक अवसर है संविधान दिवस: सुशीला कार्की

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कहा है कि जनता की बात को गंभीरता से सुनना और उनकी भावनाओं का सम्मान करना ही लोकतंत्र की आत्मा है। संविधान दिवस के अवर पर यहां के टुंडिखेल स्थित सेना मंडप में आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने इस बात पर जोर दिया कि एक लोकतांत्रिक प्रणाली वह है जो अपने नागरिकों की सुनती है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य का मूल्यांकन करने का भी एक अवसर है। पिछली उपलब्धियों और कमियों को प्रतिबिंबित करते हुए प्रधानमंत्री ने आने वाले दिनों में सुधार के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने यह भी याद किया कि नेपाल का संविधान, जिसे आज ही के दिन 2015 को संविधान सभा द्वारा पारित और अधिनियमित किया गया था, नेपाली लोगों के बलिदानों, संघर्षों और आंदोलनों का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसकी रक्षा और सफल कार्यान्वयन सभी नेपालियों की साझा जिम्मेदारी है।

अफगानिस्तान नीति पर ट्रंप का यू-टर्न, कहा- 'बगराम एयरबेस को फिर से एक्टिव करने पर विचार'

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन अपने फैसलों से दुनिया को हैरान कर रहे हैं। इस बार अमेरिकी प्रशासन ने अपनी अफगानिस्तान नीति में बदलाव किया है और बगराम एयरबेस को फिर से एक्टिव करने पर विचार किया जा रहा है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद यह खुलासा किया है कि उनका प्रशासन अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को फिर से कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का यह खुलासा चीन के लिए भी परेशानी भरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद कहा है कि चीन के परमाणु प्रतिष्ठानों के नजदीक होने के कारण बगराम एयरबेस पर उनके प्रशासन का कब्जा जरूरी है। राष्ट्रपति ट्रंप गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम के चेकर्स में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। अफगानिस्तान के बगराम

एयरबेस के बारे में ट्रंप ने कहा, हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हमसे चीजें चाहिए। हम उस बेस को वापस चाहते हैं। उस बेस को चाहने का एक कारण, जैसा कि आप जानते हैं, यह है कि यह चीन के परमाणु हथियार बनाने वाली जगह से एक घंटे की दूरी पर है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के चार साल बाद ट्रंप ने अपनी इस नीति को सार्वजनिक किया है। उन्होंने अफगानिस्तान की स्थिति के लिए पिछले बाइडेन प्रशासन की आलोचना भी की। बगराम राजधानी काबुल से 44 किलोमीटर उत्तर में स्थित है, जो अफगानिस्तान में सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा रहा था। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने बगराम एयरबेस का मुद्दा उठाया है। मार्च में उन्होंने इस क्षेत्र पर बीजिंग के कंट्रोल का दावा किया था। ट्रंप ने कहा था, अमेरिकी प्रशासन पहले भी बगराम को कब्जे में रखता, लेकिन यह सिर्फ अफगानिस्तान के कारण नहीं, बल्कि चीन के कारण, क्योंकि यह चीन के परमाणु मिसाइलें बनाने वाली जगह से ठीक एक घंटे की दूरी पर है। चीन का नाम लेते हुए उन्होंने आगे कहा, आप जानते हैं कि अभी इसे कौन कब्जा कर रहा है हालांकि, अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों को खारिज कर चुका है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में कहा, बगराम पर इस्लामिक अमीरात (तालिबान शासन) का नियंत्रण है, चीन का नहीं। चीनी सैनिक यहां मौजूद नहीं हैं, और न ही हमारा किसी देश के साथ ऐसा कोई समझौता है।

यमन के हूती समूह ने इजरायली शहरों पर कई हमलों का दावा किया

एजेंसी
सना। यमन के हूती समूह ने कहा कि उसने इजरायल के तीन शहरों पर एक लंबी दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन दागे। एजेंसी ने बताया कि हूती समर्थित अल-मसीराह टीवी पर प्रसारित एक बयान में समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरेह ने कहा कि मिसाइल ने याफा (तेल अवीव) शहर में एक सैन्य लक्ष्य को निशाना बनाया, जबकि तीन ड्रोन ने बेर शेवा शहर और इलैट बंदरगाह शहर में लक्ष्यों पर हमला किया। सरेह ने कहा कि इलैट हमारे सैन्य अभियानों का लगातार निशाना बना रहेगा। इस बीच, इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि एक ड्रोन ने इलैट के एक होटल पर हमला किया और उसका गेट क्षतिग्रस्त कर दिया, जबकि यमन से आए मिसाइल और अन्य ड्रोन को रोक दिया गया। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इजरायली सेना का कहना है कि पूर्व से लॉन्च किया गया एक ड्रोन दक्षिणी शहर इलैट में गिर गया, जिससे कुछ नुकसान हुआ, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। खबरों के अनुसार, ड्रोन शहर के होटल क्षेत्र में गिरा। इजरायली मीडिया के अनुसार, मिसाइल लॉन्च होने के बाद, मध्य इजरायल के बड़े क्षेत्रों, जिनमें तेल अवीव मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी शामिल है, में एयर डिफेंस सायरन बजने लगे, जिससे लाखों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। उत्तरी-पश्चिमी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूती गुट ने अक्टूबर 2023 में गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल पर हमले किए हैं। जवाब में, इजरायल भी हूती नियंत्रित इलाकों पर जवाबी हमले करता रहा है।हूती गुट का कहना है कि उनके हमले का मकसद फिलिस्तीनियों के प्रति एकजुटता दिखाना और गाजा में युद्ध और घेराबंदी को खत्म करने की मांग करना है।

अमेरिका ने गाजा में युद्ध रोकने, बंधकों की रिहाई के सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर फिर किया वीटो

एजेंसी
न्यूयार्क। अमेरिका ने गाजा में तत्काल एवं बिना शर्त स्थायी संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर फिर वीटो का इस्तेमाल किया है। सुरक्षा परिषद के अन्य सभी 14 सदस्यों ने इजराइल से फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता पहुंचाने पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया और गाजा की स्थिति को अत्यंत गम्भीर बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों ने यह प्रस्ताव पेश किया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में 10 निर्वाचित और 5 स्थायी सदस्य हैं। इन 15 में से अमेरिका को छोड़कर सभी 14 सदस्यों ने प्रस्ताव का

समर्थन किया। प्रस्ताव में गाजा में तत्काल, बिना शर्त स्थायी युद्धविराम की बात कही गयी थी। प्रस्ताव में हमास और अन्य समूहों द्वारा रखे गए सभी बंधकों की रिहाई और मानवीय सहायता पर प्रतिबंध हटाने का भी आह्वान किया गया था। इजराइल और हमास के बीच लगभग दो वर्ष पहले संघर्ष शुरू होने के बाद से यह अमेरिका का छठा वीटो है। सात अक्तूबर 2023 को हमास और अन्य फिलिस्तीनी आंतकी गुटों द्वारा इजराइल पर हमले के बाद गाजा संघर्ष शुरू हुआ था। हमले में इजराइल के लगभग 1200 लोग मारे गए थे और 250 को बंधक बना लिया गया था।

48 बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं। वीटो का अर्थ है किसी प्रस्ताव, कानून या निर्णय को रोकने या अस्वीकार करने का अधिकार। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सभी 5 स्थायी सदस्यों के पास वीटो का अधिकार है। कोई प्रस्ताव तभी पास होता है जब सभी उसपर सहमत होते हैं और कोई वीटो नहीं करता।

नेपाली कांग्रेस ने संसद भंग को बताया असंवैधानिक, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी

एजेंसी
काठमांडू। नेपाली कांग्रेस ने संसद भंग करने के निर्णय को असंवैधानिक बताते हुए इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला लिया है। अदालत के नियमित काम शुरू होने के बाद इस फैसले को पार्टी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। नेपाली कांग्रेस की हुई बैठक में कहा गया कि 8-9 सितंबर के जेन जी विरोध-प्रदर्शनों में बाहरी तत्वों ने घुसपैठ की थी और बाद में संसद भंग करने जैसा असंवैधानिक कदम उठाया गया। सानेपा कार्यालय में हुई पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति बैठक में कहा गया कि घुसपैठिए अरबों की सार्वजनिक और निजी संपत्तियों में आग लगाने के लिए जिम्मेदार थे। इन सबके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग की गई है। पार्टी उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस मुद्दे पर अन्य राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करके संघर्ष करने का भी संकल्प लिया गया। नेपाल में हुए राजनीतिक उलटफेर के बाद पहली औपचारिक बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता प्रकाश शरण महत ने बताया कि जल्द ही पार्टी की अगली केंद्रीय समिति की बैठक बुलाने का भी फैसला किया गया और आगे की रणनीति तय करने की भी बात हुई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य राजनीतिक दलों से वार्ता कर संसद विघटन की असंवैधानिकता को अदालत के चुनौती दी जाएगी और इसके खिलाफ सड़क संघर्ष भी किया जाएगा।

ताइवान को चीन से अलग करने की योजना को बलपूर्वक करेंगे विफल: डोंग जुन

एजेंसी
बीजिंग। चीन ने दोहराया है कि ताइवान उसका अभिन्न हिस्सा है और इस सिलसिले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप को विफल करने के लिए वह प्रतिबद्ध है। चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन ने गुरुवार को यहां आयोजित 12वें बीजिंग जियांगशान फोरम के उद्घाटन समारोह के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक और कानूनी तथ्य यह है कि ताइवान चीन का हिस्सा है और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बलपूर्वक विफल करने के लिए हमेशा तैयार है। डोंग ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की आवश्यकता का हवाला देते हुए ताइवान के सिलसिले में कहा, 2025 ताइवान की पुनर्प्राप्ति की 80वीं वर्षगांठ है और ताइवान की चीन में वापसी द्वितीय विश्वयुद्ध में चीन की विजय और युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के परिणामों का महत्वपूर्ण अंग है। डोंग ने कहा कि पीएलए हमेशा से ही राष्ट्रीय एकता की रक्षा करने वाली एक अजेय शक्ति रही है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, हम ताइवान स्वतंत्रता की किसी भी अलगाववादी योजना को कभी कामयाब नहीं होने देंगे। हम इस बारे में किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बलपूर्वक विफल करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

ट्रंप-स्टारमर की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस:टेक डील, यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट और अफगानिस्तान पर चर्चा

एजेंसी
लंदन/बकिंघमशायर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने अपनी द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार और विज्ञान-तकनीक में सहयोग को 'नए युग के लिए स्पेशल रिलेशनशिप' करार दिया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने टेक्नोलॉजी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ राउंडटेबल किया और 'टेक प्रॉस्पेरिटी डील' की घोषणा की। स्टारमर ने कहा, ब्रिटेन और अमेरिका रक्षा, व्यापार और अब विज्ञान व तकनीक में भी पहले साझेदार हैं। हमने खास रिश्ते को एक नए युग के लिए नवीनीकृत किया है। उन्होंने कहा कि नई टेक डील से ब्रिटेन में 15,000 नौकरियां सृजित होंगी और निवेश के मामले में यह ऐतिहासिक समझौता है।स्टारमर ने रूस की हालिया आक्रामक कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा, ये शांति चाहने वाले कदम नहीं हैं। हमें पुतिन पर दबाव बढ़ाना होगा ताकि एक स्थायी शांति समझौता हो सके। ट्रंप ने भी माना कि रूस-यूक्रेन युद्ध को हल करना उनकी अपेक्षा से कहीं कठिन साबित हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷मैंने सोचा था कि पुतिन के साथ रिश्तों के चलते यह सबसे आसान होगा, लेकिन उन्होंने मुझे निराश किया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन ने मानवता के लिए इतना अच्छा काम किया है जितना किसी दो देशों ने नहीं किया।

गाजा संकट और फिलिस्तीन मान्यता: गाजा पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए स्टारमर ने कहा कि ब्रिटेन जल्द ही फिलिस्तीन को मान्यता देने की योजना पर आगे बढ़ेगा, यह शांति पैकेज का हिस्सा है, ताकि सुरक्षित इजराइल और व्यवहार्य फिलिस्तीन दोनों अस्तित्व में आ सकें। वहीं, ट्रंप ने इस पर असहमति जताई, लेकिन उन्होंने इजराइल को

समर्थन दोहराते हुए कहा कि उनका प्राथमिक लक्ष्य बंधकों की रिहाई है।

इमिग्रेशन का मसला

इमिग्रेशन पर भी दोनों नेताओं से सवाल पूछे गए। ट्रंप ने स्टारमर से कहा कि अवैध प्रवास रोकने के लिए जरूरत पड़ने पर सेना का इस्तेमाल करें। स्टारमर ने जवाब दिया कि ब्रिटेन ने हाल ही में फ्रांस वापसी डील के तहत 35,000 प्रवासियों को लौटाया है।

ऊर्जा नीति: वहीं, ऊर्जा नीति पर स्टारमर ने संतुलित दृष्टिकोण का समर्थन किया, जबकि ट्रंप ने ड्रिल, बेबी, ड्रिल नारे के साथ तेल और गैस उत्पादन पर जोर दिया और पवन ऊर्जा की आलोचना की।

चार्ली किर्क की याद

ट्रंप ने हाल ही में मारे गए अमेरिकी कंजरवेटिव कार्यकर्ता चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, चार्ली में राष्ट्रपति बनने की क्षमता थी। युवाओं से उनका जुड़ाव अद्भुत था।

अफगानिस्तान का मुद्दा

ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका फिर से अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बाइडेन प्रशासन पर अफगानिस्तान से बिना योजना के अराजक वापसी का आरोप लगाया।

संवेदनशील प्रश्नों पर स्टारमर: ब्रिटेन में धार्मिक पहचान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए स्टारमर ने कहा कि ईसाई धर्म ब्रिटेन की संवैधानिक विरासत का हिस्सा है, लेकिन देश में अन्य सभी धर्मों का सम्मान भी होता है। उन्होंने जोड़ा कि ब्रिटेन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कड़ी सुरक्षा प्राप्त है।

स्टॉक मार्केट में एलटी एलीवेटर की जोरदार लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। एलिवेटर प्रोडक्शन, इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस का काम करने वाली कंपनी एलटी एलीवेटर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 74.49 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 136.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में तेजी का रुख बना रहा। सुबह 10-30 बजे तक कारोबार होने के बाद एलटी एलीवेटर के शेयर 142.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 82.69 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। एलटी एलीवेटर का 39.37 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 182.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 95.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 356.16 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 158.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 50.48 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

भारत, यूएई का लक्ष्य 3-4 वर्षों में गैर-तेल व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाना : गोयल

नई दिल्ली/अबू धाबी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अगले 03-चार वर्षों में गैर-तेल और गैर-कीमती धातुओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल गैर-तेल और गैर-कीमती धातुओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 50-55 अरब डॉलर का है।गोयल ने भारत-यूएई उच्च-स्तरीय संयुक्त कार्यबल की 13वीं बैठक के बाद कहा, "हमने गैर-तेल और गैर-कीमती धातुओं में द्विपक्षीय व्यापार को अगले तीन-चार वर्षों में 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी रखा है।'' उन्होंने उन क्षेत्रों पर चर्चा की जिन पर दोनों देश व्यापार बढ़ाने के लिए विचार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, एक क्षेत्र कपड़ा क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अफ्रीका और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्रों में साझा निवेश के लिए भी रूपरेखा तय करने का निर्णय लिया जिसमें बुनियादी ढांचा और अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं। साझा निवेश में यूएई की निवेश क्षमता और भारत के पास प्रतिभाओं की मौजूदगी का लाभ उठाया जाएगा। गोयल निवेश पर भारत-यूएई उच्च-स्तरीय संयुक्त कार्यबल की 13वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए यूएई में हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,11,330 रुपये से लेकर 1,11,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,02,070 रुपये से लेकर 1,02,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आया है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,33,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,11,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,220 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,120 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शेषसाई टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 402-423 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली/मुंबई। शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 25 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 402-423 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने जारी एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 23 सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 25 सितंबर, 2025 को बंद होगा। कंपनी ने 10 रुपये अंकित मू?ल्य वाले इश्?यू के लिए मूल्य का दायरा 393-414 रुपये प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 480 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों के निर्गम और 333 करोड़ रुपये मूल्य के 78.74 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे निर्गम का कुल आकार 813 करोड़ रुपये हो जाता है। निवेशक इसमें निवेश करने के लिए न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

जीएसटी रेट कट के बीच भारत पर तेजी से बढ़ रहा विश्व का भरोसा : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में ग्लोबल कॉन्फिडेंस बढ़ रहा है और जीएसटी रेट कटौती और भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार जैसे नेक्स्ट जेनरेशन सुधार मजबूत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को सक्षम बना रहे हैं, जो 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए जरूरी है। पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया (पीएएफआई) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने विस्तार से बताया कि ग्लोबल और मल्टीपोलर विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका और आकांक्षाओं पर प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, ÷भारत की ग्रोथ स्टोरी और भी अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। हम विकास के विश्वास अंतराल पर 95 प्रतिशत से 98 प्रतिशत की ओर बढ़ रहे हैं।

मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और 9-13 प्रतिशत की नॉमिनल विकास दर है। उन्होंने कहा कि मेड इन इंडिया चिप्स के उत्पादन से लेकर विश्व स्तरीय 2 नैनोमीटर तकनीक के डिजाइन तक सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां हमारी क्षमताओं में वैश्विक विश्वास को दर्शाती हैं।साथ ही, आयकर और जीएसटी में सुधार, मजबूत पूंजीगत व्यय और प्रतिभा विकास के साथ, उपभोग, निवेश और रोजगार के एक सकारात्मक चक्र को गति दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ये आधार सुनिश्चित करते हैं कि भारत की ग्रोथ स्टोरी मजबूत और परिवर्तनकारी दोनों बनी हुई है। उन्होंने एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में भारत के निरंतर उदय पर प्रकाश डाला और इस गति का श्रेय विनियमन-मुक्ति, डिजिटलीकरण और निवेश सुविधा में व्यापक नीतिगत सुधारों को दिया। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि बहुत जल्द दो और सेमीकंडक्टर प्लांट काम शुरू कर देंगे, जिससे ग्लोबल चिप मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में भारत की स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने टेलीकॉम 100 लैब्स पहल और सेमीकंडक्टर टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के विस्तार पर भी प्रकाश डाला। इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने रेलवे में पूंजीगत व्यय के तीन प्रमुख क्षेत्रों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने सुरक्षा में महत्वपूर्ण सुधार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 34,000 करोड़ रुपए के वार्षिक निवेश से दुर्घटनाएं 170 से घटकर 31 प्रति वर्ष हो गई। केंद्रीय मंत्री ने रेलवे रोलिंग स्टॉक की नई जेनेरेशन का प्रदर्शन किया, जिसमें कम आय वाले परिवारों के लिए केवल 400 रुपए की लागत वाली अमृत भारत ट्रेनें शामिल हैं।

कर्मचारी 30 सितंबर की समय सीमा से पहले ही एकीकृत पेंशन योजना का विकल्प चुनें : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की है। इसके बाद एनपीएस में बने रहने वाले कर्मचारी यूपीएस में स्विच नहीं कर पाएंगे। इसलिए कर्मचारी तय समय सीमा से पहले ही अपना विकल्प चुन लें। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 20 जुलाई तक केंद्र सरकार के लगभग 31,555 कर्मचारियों ने यूपीएस का विकल्प चुना था और इस योजना के तहत जुड़ने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि 25 अगस्त को कर्मचारियों को यूपीएस से पुनः एनपीएस से जुड़ने की सुविधा दी गई है।

ये सुविधा एकबारगी मिलेगी और उन्हें दोबारा यूपीएस में जाने का विकल्प नहीं मिलेगा। मंत्रालय के अनुसार निर्णय लिया गया है कि यूपीएस से एनपीएस में एकबारगी एकतरफा स्विच करने की सुविधा उन सभी केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिन्होंने यूपीएस का विकल्प चुना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीएस विकल्प चुनने वाले किसी भी कर्मचारी को इस सुविधा का उपयोग सेवानिवृत्ति की तिथि से एक वर्ष पहले या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के मामले में सेवानिवृत्ति की निर्धारित तिथि से तीन महीने पहले कर सकते हैं। सरकार ने यूपीएस के तहत 'सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी और मृत्यु ग्रेच्युटी' का फायदा दिया है।

सेबी ने हिंडनबर्ग के आरोपों को खारिज किया, अडाणी समूह को दी क्लीन चिट

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को खारिज करते हुए उद्योगपति गौतम अडाणी और उनकी अगुवाई वाले समूह को क्लीन चिट दे दी है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने आज जारी अपने अंतिम आदेश में निष्कर्ष निकाला कि आरोप सिद्ध नहीं हुए और कोई दंडात्मक निर्देश जारी नहीं किया। नियामक ने दो अलग-अलग जारी आदेशों में कहा कि विस्तृत जांच के बाद भेदिया कारोबार, शेयर बाजार में गड़बड़ी और सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों के उल्लंघन के आरोप निराधार पाए गए। सेबी का यह आदेश जनवरी, 2023 की हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद महीनों की जांच और अटकलों के बाद आया है। पूंजी बाजार नियामक का कारण बताओ नोटिस (एससीएन) 24 जनवरी, 2023 को प्रकाशित हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद जारी किया गया था, जिसमें समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की फंडिंग पर सवाल उठाया गया था। भारतीय

प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के सदस्य कमलेश सी वार्ष्णेय ने आज जारी दोनों आदेशों में कहा कि नियामक के खुलासा मानदंडों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ क्योंकि आदिकॉर्प, माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स और रेहवर इन्फ्रास्ट्रक्चर के बीच समूह की कंपनियों के साथ लेनदेन संबंधित पक्ष की परिभाषा दायरे में नहीं आता है। इसमें प्रतिभूतियों के बड़े अधिग्रहण या नियंत्रण से संबंधित कोई उल्लंघन भी नहीं पाया गया जो निवेशकों को गुमराह कर सकता हो। सेबी जांच के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अडाणी की कंपनियों या अधिकारियों पर जिम्मेदारी थोपने या जुर्माना लगाने का कोई आधार नहीं था। उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कारण सूचीबद्ध अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, हिंडनबर्ग कंपनी अब बंद हो चुकी है।

जीएसटी दरों में संशोधन के मद्देनजर परामर्श जारी, उद्योगों को अनुपालन संबंधी छूट मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी दरों में संशोधन के मद्देनजर एक संशोधित परामर्श जारी किया है। इसमें केंद्र सरकार ने उद्योगों को अनुपालन बोझ कम करने की कोशिश की है। नए परामर्श के निर्माता, पैकर्स और आयातक 22 सितंबर से पहले निर्मित बिना बिके पैकेजों पर स्वेच्छा से अतिरिक्त संशोधित मूल्य स्टिकर लगा सकते हैं। बशर्ते पैकेज पर छपी मूल अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) अस्पष्ट न हो। इसके अलावा नियम 18(3) के तहत संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) दो समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की अनिवार्यता को भी समाप्त कर दिया गया है। इसके बजाय अब केवल थोक और खुदरा विक्रेताओं को संशोधित मूल्य सूची प्रसारित करना होगा। उपभोक्ता मंत्रालय का कहना है कि यह कदम व्यापार में आसानी और उपभोक्ता संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए उठाया गया है। इससे सुनिश्चित होगा कि उद्योगों पर अनुपालन का अधिक

बोझ न पड़े और उपभोक्ताओं को भी जीएसटी कटौती का अपेक्षित लाभ मिले। परामर्श में जीएसटी संशोधन से पहले छपी पुरानी पैकेजिंग सामग्री या रैपरों को 31 मार्च 2026 तक या स्टॉक खत्म होने तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। कंपनियां पैकेज पर किसी भी उपयुक्त जगह पर मुहर, स्टिकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग करके एमआरपी को सही कर सकती हैं। सरकार ने सलाह दी है कि उद्योग डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को संशोधित जीएसटी दरों के बारे में सूचित करने के लिए सक्रिय कदम उठाएं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रहा भारत का दबदबा, 2035 तक 9 प्रतिशत पहुंच जाएगी ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में हिस्सेदारी

एजेंसी

मुंबई । वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का दबदबा तेजी से बढ़ता जा रहा है और 2035 तक ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में देश की हिस्सेदारी बढ़कर 9 प्रतिशत हो जाएगी, जो कि 2024 में 6.5 प्रतिशत थी। यह बयान वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में सचिव एम नागाराजू की ओर से दिया गया।

देश की आर्थिक राजधानी में नेशनल बैंक फॉर फाइनेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) की ओर से आयोजित किए गए एनुअल इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2025 में लोगों को संबोधित करते हुए एम नागाराजू ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।उन्होंने आगे कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बीते चार सालों से औसत 8 प्रतिशत की

वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी, जो कि पिछली पांच तिमाही में सबसे अधिक है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के मुताबिक, हमारा एक्सटर्नल सेक्टर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और पिछली तिमाही में चालू खाता घाटा जीडीपी का केवल 0.5 प्रतिशत रहा था। देश का शुद्ध सर्विसेज निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है और इन सभी मजबूत कारणों के चलते देश आजादी के 100 साल पूरे होने तक यानी 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकता है। नागाराजू के अनुसार, यह व्यापक आर्थिक सफलता की कहानी हमारी इन्फ्रास्ट्रक्चर महत्वाकांक्षाओं के लिए एक ठोस आधार तैयार करती है। यह दुनिया को बताती है कि भारत का विकास न केवल मजबूत है, बल्कि सुधारों और विवेकपूर्ण नीतियों से भी प्रेरित है, जो हमें वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन और महामारी के बाद की वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को आकार देने में एक संभावित नेता बनाता है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के पूरक के रूप में, भारतीय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र मजबूत स्तंभ के रूप में उभरे हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी बैंकों ने निजी बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ में पीछे छोड़ दिया है। बीते एक दशक से अधिक समय में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ है। नॉन-परफॉरमिंग एसेट्स (एनपीए) एक प्रतिशत के नीचे जा चुकी हैं और कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो भी नियामक द्वारा निर्धारित किए गए मानकों से अधिक है, जो दिखाता है कि भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत स्थिति में है कुल मिलाकर, ये रुझान एक मजबूत, पर्याप्त पूंजीकृत वित्तीय प्रणाली की ओर इशारा करते हैं जो विकसित भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

डॉलर की तुलना में कमजोर हुआ रुपया, 32 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल और मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोरी के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 32 पैसे फिसल कर 88.14 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 87.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ 87.97 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया ओपनिंग लेवल से 3 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 87.94 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया 34 पैसे की कमजोरी के साथ 88.16 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 32 पैसे की गिरावट के साथ 88.14 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 42.97 पैसे की कमजोरी के साथ 120.27 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 31.88 पैसे फिसल कर 104.33 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

देश में 2025 में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर लगभग 25 करोड़ हो जाएगी : राम मोहन नायडू

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में 2025 में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर करीब 25 करोड़ हो सकती है, जो कि 2014 में केवल 11 करोड़ थी। यह जानकारी केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू की ओर से दी गई। उन्होंने हिंडन हवाई अड्डे का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस हवाई अड्डे से 2020 में केवल एक उड़ान थी, वह अब देश भर के 16 शहरों से जुड़ गया है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हिंडन हवाई अड्डे से अखिल भारतीय यात्री सेवा दिवस 2025 का शुभारंभ करते हुए, नायडू ने कहा कि यह पहल सभी यात्रियों को सर्वोत्तम यात्रा अनुभव और विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करने के सरकार के निरंतर प्रयासों को दिखाती है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रधान सेवक के रूप में पिछले 11

वर्षों में शासन की अवधारणा को नया रूप दिया है और इसे जनसेवा में समर्पित किया है। इसी दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए, हम विमानन क्षेत्र में प्रत्येक यात्री को अपनी प्राथमिकता और प्रत्येक यात्रा को समर्पण भाव से सेवा करने के अवसर के रूप में देखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यात्री हमारे तेजी से बढ़ते विमानन इकोसिस्टम की धड़कन हैं। इस कारण हमने यात्री सेवा दिवस की शुरुआत की है। नायडू ने आगे कहा, यह हमारे लिए विकास का उत्सव है और साथ ही, प्रत्येक यात्रा को निर्बाध और सम्मानजनक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी है, जो प्रधानमंत्री के राष्ट्र प्रथम के मार्गदर्शक सिद्धांत में निहित यात्री प्रथम की भावना को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, नागर विमान क्षेत्र उच्च वर्ग की यात्रा के साधन से आम जनता की यात्रा में बदल गया है। दूरदर्शी क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के सहयोग से, आज देश में हवाई यात्रा अधिक सुलभ, सुलभ और सस्ती है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया मिशन के तहत बहुत जल्द देश भर के सभी हवाई अड्डे वाई-फाई से लैस हो जाएंगे, जिससे यात्रियों के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में, हम आत्मनिर्भर भारत की नींव पर निर्मित, विकसित भारत का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इसके लिए, विमानन उद्योग के सभी हितधारकों और विशेष रूप से यात्रियों को हमारी खरीदारी में स्थानीय उत्पादों के लिए मुखर होने की आवश्यकता है।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 393-414 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 25 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 393-414 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 23 सितंबर, को अभिदान के लिए खुलकर 25 सितंबर, 2025 को बंद होगा।आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड ने 5 अंकित मूल्य वाले इश्?यू के लिए मूल्?य का दायरा 393-414 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ब्रोकिंग फर्म आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह 745 करोड़ रुपये के शेयरों का ताजा निर्गम है। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल

नहीं है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 36 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 36 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी नए इश्यू से प्राप्त 5,500.00 मिलियन रुपये का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए करेगी। शेष अन्य राशि का इस्तेमाल कंपनी की दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

आईफोन 17 सीरीज की बिक्री शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में ऐप्पल के आईफोन के दीवानों की कमी नहीं है। देशभर में आईफोन-17 सीरीज की बिक्री शुरू हो गई है। ऐप्पल के लेटेस्ट स्मार्टफोन आईफोन-17, आईफोन-17 प्रो, आईफोन-17 प्रो मैक्स और नए आईफोन एयर की लोगों में गजब डिमांड है। आईफोन-17 खरीदने के लिए लोग बहुत बेताब दिख रहे हैं। आधी रात से ही नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे के ऐप्पल स्टोर्स के बाहर लंबी कतारें दिख रही है। ऐप्पल बीकेसी (मुंबई) और ऐप्पल साकेत (दिल्ली) में प्रवेश करने के लिए लोगों की लंबी कतार लगी हुई है। बेंगलुरु के 'मॉल ऑफ एशिया' में खुले ऐप्पल हेब्बल स्टोर में अच्छी-खासी भीड़ नवीनतम ऐप्पल डिवाइस खरीदने के लिए आई है। ग्राहक ऐप्पल-17 के साथ ही ऐप्पल वॉच और एयरपॉड्स भी खरीद रहे हैं। ऐप्पल आईफोन-17 सीरीज की चाहत रखने वाले पैसे लेकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। आईफोन-17 की कीमत 82,900 रुपये से शुरू है, जबकि आईफोन एयर 1,19,900 रुपये में उपलब्ध है। प्रो मॉडल 1,34,900 रुपये और प्रो मैक्स 1,49,900 रुपये की कीमत पर बिक रहा है। इन सभी मॉडल्स में 256जीबी स्टोरेज बेस है। 48MP कैमरा, A19 चिप और ProMotion डिस्प्ले मुख्य फीचर्स हैं। प्री-ऑर्डर 12 सितंबर से शुरू हुए थे, लेकिन आज सुबह 8 बजे से ऐप्पल स्टोर्स खुलते ही भीड़ उमड़ पड़ी। ऐप्पल स्टोर्स के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट, रिलायंस डिजिटल और क्रोमा पर भी बिक्री शुरू है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 1.01 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती से दुनिया के अन्य शेयर बाजारों की तरह ही घरेलू शेयर बाजार में भी निवेशकों का मनोबल लगातार ऊंचा बना रहा। दिन के दूसरे सत्र में विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी और ऊंचे स्तर पर हुई मुनाफा वसूली की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई। अंत में आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 465.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,191 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,985 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 166 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,776 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,340 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,436 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 415.21 अंक की तेजी के साथ 83,108.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही ये सूचकांक 447.50 अंक की मजबूती के साथ 83,141.21 अंक के तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू बाजार में दबाव की स्थिति बन गई, जिसके कारण दोपहर 2-30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 435 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 82,704.92 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण सेंसेक्स आखिरी 1 घंटे के कारोबार में 320.25 अंक उछल कर 83,013.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 110.80 अंक की छलांग लगा कर 25,441.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में ये सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा।

रश्मिका मंदाना

का पहला हीरो, जिससे एक्ट्रेस ने कर ली थी सगाई, बाद में टूट गया था रिश्ता

रश्मिका मंदाना ने अपने छोटे से करियर में ही बड़ा नाम कमा लिया है. रश्मिका कभी नेशनल क्रश हुआ करती थीं, जबकि आज उनकी गिनती सुपरस्टार में होने लगी है. रश्मिका मंदाना ने अपने 10 साल से भी छोटे करियर में साउथ की मशहूर अदाकाराओं में अपना नाम शुमार करा लिया है. जबकि हिंदी सिनेमा में भी दो ब्लॉकबस्टर फिल्में देकर वो हिंदी बेल्ट के दर्शकों का दिल भी जीत चुकी हैं. वो बड़े पर्दे पर अब तक कई एक्टर्स की हीरोइन बनी हैं. लेकिन, क्या आप रश्मिका के पहले हीरो के बारे में जनाते हैं ?रश्मिका मंदाना ने 9 साल के करियर में साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में कई फिल्में की हैं. बॉलीवुड में वो रणबीर कपूर, विकी कौशल और सलमान खान जैसे एक्टर्स संग स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं. जबकि साउथ में उन्होंने अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा जैसे टॉप एक्टर्स संग काम किया

है. लेकिन, उनके पहले हीरो के बारे में कम ही लोग जानते हैं.

कौन है रश्मिका का पहला हीरो ?

29 साल की हो चुकीं रश्मिका मंदाना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत साल 2016 में की थी. इस दौरान वो कन्नड़ फिल्म 'किरीक पार्टी' में नजर आई थीं. इसमें उनके अपोजिट लीड रोल में अभिनेता रक्षित शेट्टी नजर आए थे. उन्होंने और भी कई शानदार फिल्मों में काम किया है. एक तरफ जहां बड़े पर्दे पर किरिक पार्टी सफल साबित हुई तो वहीं दूसरी ओर रश्मिका और रक्षित को असल जिंदगी में भी एक दूसरे से प्यार हो गया था.

14 साल बड़े रक्षित से कर ली थी सगाई

किरीक पार्टी के सेट पर रश्मिका और रक्षित एक दूसरे के प्यार में पड़ गए थे. दोनों ने जल्द ही अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला कर लिया था. साल 2016 में दोनों की फिल्म रिलीज हुई थी और 3 जुलाई 2017 को रश्मिका ने खुद से उम्र में 14 साल बड़े रक्षित शेट्टी से सगाई कर ली थी.

1 साल में ही टूट गई थी सगाई

8 साल पहले रश्मिका और रक्षित की सगाई बेहद धूमधाम से हुई थी. हालांकि एक साल बाद 2018 में ही दोनों के रिश्ते में दरार पड़ गई थी. उनकी सगाई टूट गई थी, लेकिन दोनों कलाकार अब भी एक दूसरे के बर्थडे पर एक दूसरे को विश करते हैं.

कौन थीं शबाना आजमी की वो दो बेस्ट फ्रेंड्स? बहनों जैसा रिश्ता, फिर भी हो गईं अलग

70 के दशक में एक ऐसी एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में एंट्री ली थी, जिन्होंने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता. उनका नाम शबाना आजमी है और आज भी वो फिल्मों में काम कर रही हैं. उसी दौर में शबाना आजमी की दो खास दोस्त बनी थीं जिनके साथ उन्होंने कई फिल्में भी कीं. उस समय की मैगजीन्स में इन तीनों एक्ट्रेस की तस्वीरें भी छपा करती थीं. शबाना की उन फ्रेंड्स में एक दीप्ति नवल रही हैं और एक दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल थीं.1982 में फिल्म 'अर्थ' रिलीज हुई थी, जिसमें शबाना आजमी और स्मिता पाटिल अहम किरदारों में थीं, वहीं दीप्ति नवल भी कुछ देर के लिए फिल्म में नजर आई थीं. महेश भट्ट की इस सुपरहिट फिल्म में स्मिता पाटिल, शबाना आजमी और कुलभूषण खरबंदा लीड रोल में थे और ये एक जबरदस्त फिल्म थी. 80 के दौर में शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और दीप्ति नवल की दोस्ती काफी फेमस थी लेकिन फिर वो तीनों अलग कैसे हुईं, आइए बताते हैं क्यों ?

स्मिता पाटिल, शबाना आजमी और दीप्ति नवल की दोस्ती

शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और दीप्ति नवल ने 70 और 80 के दशक में अलग-अलग कई ऐसी फिल्में कीं जो कल्ट क्लासिक बनीं. उस दौर में इन तीनों की अच्छी-खासी लोकप्रियता थी और तब ही उनकी दोस्ती भी हुई. कई मैगजीन और अखबारों में उनकी साथ की तस्वीरें भी आईं, जिन्हें आप सोशल मीडिया पर देख सकते हैं. तीनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी थी और इसके बारे में कई बार शबाना आजमी और कई बार दीप्ति नवल ने बताया है. तीनों अक्सर पार्टीज में जाती थीं और कभी-कभी वो तीनों अकेले ही पार्टी करती थीं तो कभी आउटिंग के लिए जाया करती थीं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्मिता, दीप्ति और शबाना आजमी के बीच दूरियां काम को लेकर आ गई थीं.

एक इंटरव्यू में शबाना आजमी ने ये बात स्वीकार की थी कि उन्होंने स्मिता को कुछ ऐसे शब्द बोल दिए थे जो उन्हें नहीं बोलने चाहिए थे. शबाना ने ये भी कहा था कि वो स्मिता को अपनी बहन जैसी मानती थीं और जब स्मिता की डेथ हुई तब उन्हें इस बात का एहसास हुआ था कि उन्हें अपने बीच की दूरियां खत्म करके फिर से दोस्ती कर लेनी चाहिए थी. 1986 में स्मिता पाटिल की महज 31 साल की उम्र में दर्दनाक मौत हुई थी.

इन लोगों के साथ जुड़ चुका है हुमा कुरैशी का नाम, अब बॉयफ्रेंड से करने वाली हैं शादी?

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी, अक्षय कुमार और अरशद वारसी के साथ फिल्म 'जॉली LLB 3' में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म की चर्चाओं के बीच अचानक से हुमा एक नई वजह से सुर्खियों में आ गईं.

हाल ही में खबरें आईं कि हुमा ने अपने बॉयफ्रेंड रचित सिंह से सगाई कर ली है. बताया जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैं. हालांकि सगाई की खबरों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हुमा कुरैशी और रचित सिंह से जुड़े एक करीबी शख्स ने उनकी सगाई का खुलासा किया है. अगर इन बातों में सच्चाई है तो हो सकता है कि जल्द ही हुमा अपने हिंदू बॉयफ्रेंड के साथ शादी के बंधन में भी बंध सकती हैं. खैर, इससे पहले आइए आपको बताते हैं कि हुमा का नाम रचित सिंह से पहले किन-किन लोगों के साथ जुड़ चुका है ?

मुदस्सर अजीज और अनुराग कश्यप

हुमा ने डायरेक्टर अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. बताया जाता है कि तभी दोनों के अफेयर को लेकर खबरें आईं थीं. हालांकि दोनों ने इस पर कभी कुछ नहीं कहा. वहीं डायरेक्टर मुदस्सर अजीज को तो एक्ट्रेस ने तीन साल तक डेट किया था. लेकिन, साल 2022 में उनका ब्रेकअप हो गया था.

शाहिद कपूर और सोहेल खान

हुमा का नाम बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता शाहिद कपूर के साथ भी जुड़ा था. हालांकि दोनों के रिश्ते को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई. इसके अलावा हुमा के अफेयर की खबरें सलमान खान के छोटे भाई और अभिनेता सोहेल खान के साथ भी आई थीं. हुमा और सोहेल को साथ भी देखा गया था. कई रिपोर्ट्स में तो सोहेल की सीमा खान से शादी टूटने का कारण भी सोहेल की हुमा से नजदीकियों को माना जाता है.

अर्जन बाजवा और शिखर धवन

हुमा कुरैशी के अफेयर की खबरें अभिनेता अर्जन बाजवा के साथ भी आ चुकी हैं. हालांकि बताया जाता है कि काफी जल्दी इनका ब्रेकअप हो गया था. हुमा का नाम भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन के साथ भी जोड़ा गया था. लेकिन, दोनों के रिश्ते पर ज्यादा बातचीत नहीं हुई.

फिल्मों में आने से पहले नौकरी करती थीं

तापसी पन्नू

अब बना ली करोड़ों की दौलत

तापसी पन्नू ने अपने बेहतरीन अभिनय के दम पर हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास और अलग पहचान बनाई है. बॉलीवुड में वो अपने करियर में कई शानदार फिल्में दे चुकी हैं. उन्होंने बतौर एक्ट्रेस अच्छा खासा नाम कमा लिया है. लेकिन, तापसी कमाई और अमीरी के मामले में भी पीछे नहीं हैं. आइए आज जानते हैं कि तापसी पन्नू ने आखिर अब तक कितने करोड़ की दौलत बना ली है ?तापसी पन्नू का जन्म 1 अगस्त 1987 को नई दिल्ली में हुआ था. 38 साल की हो चुकीं तापसी करीब डेढ़ दशक से फिल्मी दुनिया में काम कर रही हैं. हालांकि क्या आप ये जानते हैं कि फिल्मों में आने से पहले तापसी क्या करती थीं. आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस बनने से पहले उन्होंने कौन सी नौकरी की थी ?

फिल्मों में आने से पहले क्या करती थीं तापसी ?

तापसी पन्नू हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा एजुकेटेड एक्ट्रेस में से एक के रूप में भी जानी जाती हैं. उन्होंने स्कूल की पढ़ाई दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल से की थी. इसके बाद अभिनेत्री ने गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी. फिर एक्ट्रेस ने बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर नौकरी की थी. हालांकि उन्होंने जल्द ही ये नौकरी छोड़ दी थी और फिर वो ग्लैमर की दुनिया में आ गईं.

तेलुगू सिनेमा से किया एक्टिंग डेब्यू

नौकरी छोड़ने के बाद तापसी ने मॉडलिंग की और जल्द ही उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत भी हो गई थी. तापसी की पहली फिल्म 'झूमंडी नादम' थी. ये तेलुगु फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी. इसके बाद एक्ट्रेस ने तमिल सिनेमा में आगाज किया था. साल 2011 में वो तमिल फिल्म 'आदुकलम 'में नजर आई थीं.

तापसी पन्नू की नेटवर्थ

तापसी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत साल 2013 की फिल्म 'चश्मे बद्दूर' से की थी. लेकिन, बॉलीवुड में उन्हें पहचान दिलाने का काम फिल्म 'पिंक' ने किया था. जिसमें अमिताभ बच्चन भी लीड रोल में थे. तापसी ने 'नाम शबाना', 'मिशन मंगल', 'सांड की आंख', 'थप्पड़', 'रश्मि रॉकेट', 'डंकी', 'खेल खेल में' सहित कई फिल्मों में काम किया है. एक्ट्रेस आज 50 करोड़ रुपये की नेटवर्थ की मालकिन हैं.

नाजिया सुल्तान ने जीता मिसेज दिल्ली-एनसीआर का खिताब

नोएडा की अवंतिका ने जीता मिस दिल्ली-एनसीआर 2025 का खिताब

गाजियाबाद की नेहा चौधरी ने जीता मिसेज नॉर्थ इंडिया का खिताब

'हम एक हैं' कार्यक्रम बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया

समराट कला संगम द्वारा दिल्ली के शास्त्री नगर में कोऑर्डिनेटर टी.सी. चौहान के नेतृत्व में 'हम एक हैं' कार्यक्रम बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य हस्तियाँ विशेष रूप से मौजूद रहीं, जिनमें मुकेश अन्ना (डायरेक्टर), आनंद स्वरूप (इंस्पेक्टर, सीआईडी), जी.एस. हैरी, सुप्रसिद्ध गायक मुकेश दिलेर, सिंगर कंचन चौधरी, एक्टर नदीम खान, टीवी एक्ट्रेस परी तोमर, ज्योतिषाचार्य रघुबीर मित्तल, गायक ऋषि गुरु और समाजसेवी पुष्पा दवे शामिल रहे। कार्यक्रम में तिहाड़ जेल के सहायक अधीक्षक राजेश कुमार को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

देहरादून की मिसेज रूपाली विशिष्ठ ने जीता मिसेज इंडिया का खिताब

मनीषा

दिव्य दिल्ली : देहरादून, उत्तराखंड की धरती ने हमेशा से प्रतिभाओं को जन्म दिया है। इन्हीं में से एक नाम है रूपाली वशिष्ठ, जिन्होंने हाल ही में "मिसेज इंडिया 2025" का खिताब अपने नाम किया। 2,00,000 के कैश प्राइज, क्राउन और ट्रॉफी से सम्मानित होकर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा, समाज सेवा और सौंदर्य के मंच पर भी समान रूप से चमक सकती है।

इससे पहले वे "मिसेज उत्तराखंड 2024" रह चुकी हैं।

पीएचडी शोधार्थी, लेखिका, शिक्षिका और भारतीय मानव अधिकार संगठन की जिला अध्यक्ष के रूप में उन्होंने बहुआयामी पहचान बनाई है।

जयपुर में आयोजित 48वीं यूपी राज्य शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में झांसी के जसवंत सिंह ने जीता स्वर्ण पदक

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली: जयपुर में आरएसएससी शूटिंग रेंज पर 48वीं यूपी राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में झांसी जिले के ग्राम काशीपुरा निवासी राष्ट्रीय पिस्टल शूटर जसवंत सिंह यादव ने स्वर्ण पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के मेडल वितरण समारोह में ओलंपियन एवं राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तथा यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री श्याम सिंह यादव ने जसवंत सिंह को स्वर्ण पदक पहनाकर सम्मानित किया। जसवंत सिंह ने 10 मीटर पिस्टल पैरा मेन (सर्विस कैटेगरी) में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह उपलब्धि उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी जसवंत 2022, 2023 और 2024 में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं तथा राष्ट्रीय पैरा शूटिंग चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्थ दिल्ली डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने एयर पिस्टल श्रेणी में सिल्वर मेडल भी जीता था। वर्तमान में जसवंत सिंह गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो में इंस्पेक्टर एवं फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट के रूप में कार्यरत हैं। वे दिल्ली के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स शूटिंग अकादमी में अनुभवी कोच दीपक कुमार के निर्देशन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अपनी सफलता का श्रेय जसवंत ने अपने कोच, मित्रों और परिवार को दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत उनके आत्मविश्वास और सतत परिश्रम का परिणाम है। इस उपलब्धि से उनके परिवार और झांसी जिले के लोगों में खुशी और गर्व का माहौल है।

यस मैडम ने अपने पार्टनर को दिया 0% कमीशन का तोहफा

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार में स्थित हॉली-डे इन होटल में यस मैडम द्वारा आरआरआर (पुरस्कार, सम्मान और मान्यता) समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापकों और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। इस कार्यक्रम को यस मैडम के कॉ-फाउंडर आदित्य आर्य, डायरेक्टर गरिमा शर्मा और युक्ति आर्य के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वाईस प्रेजिडेंट दान सिंह, मनोज, दीपांशु सहित यस मैडम के सदस्यों ने अपना भरपूर योगदान दिया। इस सम्मान समारोह में यस मैडम की सभी सदस्यों को एक उच्च श्रेणी में पदोन्नत किया गया। जिससे भागीदारों का कमीशन सीधे तौर पर कम हो जाता है और स्लैब 20% से शुरू होकर 0% तक जाते हैं। इस अवसर पर सभी भागीदारों को उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। यस मैडम एकमात्र गिग इकॉनमी प्लेटफॉर्म है जिसने शून्य कमीशन की शुरूआत की है। इसके अलावा, यस मैडम का कमीशन मॉडल अन्य प्लेटफॉर्म की तुलना में सबसे कम है। यस मैडम द्वारा 6,000 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार मिला और उन्हें सशक्त बनाया गया। इस अवसर पर क्रिएटिव राइटर और लाइव परफॉर्मर निधि नरवाल और इन्फ्लुएंसर विभोर अडनानी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में निधि नरवाल ने सभी महिलाओं को सशक्त करते हुए कविता भी सुनाई। बता दें कि यस मैडम भारत का पहला सैलून-एट-होम प्लेटफॉर्म है जो अपने ग्राहकों को अपने उत्पाद खुद इस्तेमाल करने की आजादी देता है। इस स्थिति में आपको केवल 6/मिनट का सेवा शुल्क देना होगा।

बीएचयू के व्यावहारिक कला विभाग के शोध छात्र श्रीलंका में शोध प्रस्तुत करेंगे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय के व्यावहारिक कला विभाग के शोध छात्रों के साथ प्राध्यापक भी शुक्रवार को अपरान्ह में श्रीलंका कोलम्बो में आयोजित पाँचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुत करेंगे। शुक्रवार व शनिवार (19–20 सितम्बर) को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर छात्र शोध पढ़ेंगे। इस सम्मेलन का विषय है "अतीत और भविष्य को जोड़ना - बदलती दुनिया में अमूर्त विरासत की भूमिका।" यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। प्रकटीकरण",उमेश कुमार (शोध छात्र) - "खेतों में कला, ग्राम कला परियोजना के माध्यम से समकालीन अभ्यास की पुनर्कल्पना",सौरभ सिंह (शोध छात्र) - "भारत में सतत कला अभ्यासों की भूमिकाः सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में" विरासत" विषयक शोध सम्मेलन में प्रस्तुत करेंगे।

बच्चों को स्कूल छोड़ने गई महिला के साथ लूटपाट का प्रयास, दो बदमाशों को पकड़कर लोगो ने पीटा

गौतमबुद्ध नगर। अपने बच्चों को आज सुबह को स्कूल छोड़ने गई एक महिला के साथ दो बदमाशों ने लूट का प्रयास किया। महिला ने हिम्मत का परिचय देते हुए बदमाशों का विरोध किया तथा आसपास के लोग मौके पर आ गए। लोगों ने दोनों बदमाशों को पड़कर जमकर धुना तथा पुलिस के हवाले कर दिया। उनके पास से विभिन्न जगहों से लूटे हुए सात मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 24 क्षेत्र में रहने वाली एक महिला आज सुबह को अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने गई थी। स्कूल के पास दो लड़के आए। उन्होंने महिला के गले से सोने की चेन लूटने का प्रयास किया। महिला ने हिम्मत से काम लिया तथा बदमाशों से भिड़ गई। उन्होंने बताया कि महिला के विरोध चलते बदमाश उसकी चेन नहीं लूट पाए, तथा मौके पर आसपास के लोग आ गए। उन्होंने बताया कि महिला और लोगों ने हिम्मत करके बदमाशों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि शहर वासियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया।

उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए बदमाशों से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम संजय पुत्र देवनारायण निवासी कल्याणपुरी दिल्ली उम्र 22 वर्ष तथा आशु पुत्र सुखबीर निवासी दल्लूपुरा दिल्ली उम्र 23 वर्ष बताया। उन्होंने बताया कि उनके पास से विभिन्न जगहों से लूटे हुए सात मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त बाइक आदि बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस के अधिकारी गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रहे हैं। इन्होंने एनसीआर में लूटपाट की दर्जनों वारदात करनी स्वीकार की है।

वहीं पुलिस अधिकारियों ने साहस का परिचय देते हुए बदमाशों को पकड़ने वाली महिला और उनके अन्य सहयोगियों को सम्मानित करने की बात कही है।

बीएचयू के कौशल विकास प्रकोष्ठ में सलाहकार सह संचालन समिति का गठन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने कौशल विकास प्रकोष्ठ की एक सलाहकार-सह-संचालन समिति का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य विद्यार्थियों के कौशल को निखारने और उनके करियर व व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक क्षमताओं का संवर्धन करने हेतु विविध पहल एवं गतिविधियों का संचालन करना है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी ने दी। बताया गया कि समिति की अध्यक्षता भौतिकी विभाग के प्रो. हरिप्रकाश शर्मा करेंगे, जो कौशल विकास प्रकोष्ठ के समन्वयक भी हैं। समिति में प्रो. योगेश आर्य, प्रो. वी.के. चंदोला, प्रो. ललित एम. अग्रवाल, डॉ. राज किरण प्रभाकर, डॉ. अंशुल वर्मा सदस्य के रूप में शामिल हैं, जबकि डॉ. राहुल चतुर्वेदी सदस्य सचिव की भूमिका निभाएंगे।

प्रतापगढ़ में पुलिस मुठभेड़ के दौरान पाक्सो एक्ट का आरोपित गिरफ्तार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में पट्टी कोतवाली अंतर्गत पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गुरूवार रात दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपित युवक के पैर में गोली लगी है जिसको घायल अवस्था में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ ले जाया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल ने बताया कि बुधवार को दुष्कर्म व पास्को एक्ट के अंतर्गत पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा कोतवाली कट्टी में दर्ज किया गया था। आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। गठित टीमों द्वारा घटना स्थल से साक्ष्य संकलन, तकनीकी जानकारी व सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से अभियुक्त की शिनाख्त एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। क्षेत्राधिकारी पट्टी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी के पर्वेक्षण में थाना पट्टी पुलिस द्वारा जगदीशपुर पुलिया के पास मुखबिर की सूचना पर थाना पट्टी के अभियोग से संबंधित अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी। पुलिस टीम द्वारा जबाबी फायरिंग में हुई मुठभेड़ में दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के अभियोग से संबंधित शातिर अभियुक्त कुंदन पुत्र रामचंद्र निवासी गोपालपुर ठनेपुर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ के दायें पैर में गोली लगी।

उत्तर प्रदेश में 14 आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार प्रशानिक अधिकारियों के तबादले कर रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार की देर रात को 14 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं।

तबादलों के क्रम में शासन ने आईएएस शशि प्रकाश गोयल को अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अध्यक्ष, पिकप, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीडा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उपशा, अपर मुख्य सचिव, समन्वय विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा परियोजना निदेशक, यूपीडास्प के पद से अवमुक्त कर दिया गया है।

दीपक कुमार को अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के पद से अवमुक्त कर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अध्यक्ष, पिकप, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीडा, अपर मुख्य सचिव, नागरिक उडडयन एवं समन्वय विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा परियोजना निदेशक, यूपीडास्य के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पार्थ सारथी सेन शर्मा को प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, अमित कुमार घोष को प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग, मुकेश मेश्राम को प्रमुख सचिव पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विभाग भेजा हैं। अमृत अभिजात को प्रमुख सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग, संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव, नागरिक उडडयन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के पद से अवमुक्त करते हुए शेष यथावत रहेगा। अजय चौहान को वर्तमान पद के साथ मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उपशा के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया हैं। आलोक कुमार-तृतीय को प्रमुख सचिव, उप्र. पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण एवं सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा निदेशक, हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश के पद से अवमुक्त कर नोडल अधिकारी, जीरो पावर्टी उत्तर प्रदेश अभियान के पद का अतिरिक्त प्रभार मिला है।पी. गुरुप्रसाद को प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के पद से अवमुक्त कर प्रमुख सचिव, नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा मनीष चौहान को प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन, उप्र. पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण एवं सामान्य प्रसाद को वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया हैं। अनामिका सिंह को आयुक्त, खाद्य एवं रसद और भूपेंद्र एस. चौधरी को मंडलायुक्त, बरेली बनाया गया है।

पितृ पक्ष समापन की ओर, त्रयोदशी श्राद्ध के लिए गंगाघाटों और पिशाचमोचन कुंड पर जुटी भीड़

वाराणसी। पितृ पक्ष अब समापन की ओर है। धर्म और मोक्ष की नगरी काशी में सनातनी पूरी श्रद्धा के साथ अपने पूर्वजों का श्राद्ध पिंडदान और तर्पण कर रहे है। पितृपक्ष के त्रयोदशी तिथि पर शुक्रवार को अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए लोग भोर से ही गंगा तट के सिंधिया घाट, दशाश्वमेध घाट, मीरघाट, अस्सी घाट, शिवाला घाट, राजाघाट सहित विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड पर पहुंचने लगे। पूरे श्रद्धा के साथ लोगों ने मुंडन करा कर गंगा नदी और कुंडों में डुबकी लगाकर श्राद्धकर्म और पिंडदान किया। यह क्रम पूरे दिन चलता रहा। त्रयोदशी पर पितरों का पिंडदान और श्राद्ध के लिए लोगों की भीड़ गंगाघाटों पर लगी रही।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321